www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, बुधवार
24 जून 2026
वर्षः 49
अंकः 60 पृष्ठः 6
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

अल्मोड़ा के रानीखेत में 150 मीटर खाई में गिरी कार, दो लोगों की मौत; एक की हुई पहचान

रानीखेत। रानीखेत तहसील के सौनी बिनसर के तितालीखेत क्षेत्र (ताड़ीखेत ब्लाक) में कार खाई में जा गिरी। इसमें सवार दो लोगों की मौत हो गई।

मृतकों में से एक की शिनाख्त जीवन चंद्र जोशी पुत्र पूरन चंद्र जोशी निवासी बिठोरिया नंबर– एक हल्द्वानी के रूप में हुई है, जबकि दूसरे मृतक की शिनाख्त नहीं हो सकी। पुलिस टीम ने शवों को सुपुर्दगी में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए रानीखेत चिकित्सालय भिजवाया है। मंगलवार को राहगीर ने करीब डेढ़ बजे 112 पर दुर्घटना की सूचना दी। सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस के एसआई हेमा कार्की, एस आई कैलाश चंद्र, हेड कांस्टेबल प्रवीण कुमार व होम गार्ड के जवान आंनद व ज्योति घटनास्थल पर पहुंचे। कार (सीएच 01 सीबी 5868) के परखच्चे उड़े थे। ग्रामीणों, राजस्व पुलिस व एसडीआरएफ के जवानों की मदद से करीब डेढ सौ मीटर गहरे से शवों को रेस्क्यू कर मुख्य सड़क तक लाया गया। पुलिस टीम ने बताया कि दोनों मृतकों के पास कोई पहचान पत्र नहीं मिला। घटनास्थल पर गिरे मोबाइल पर फोन आने से एक मृतक की पहचान जीवन चंद्र के रूप में हुई। एसआइ कैलाश चंद्र के अनुसार दुर्घटना कैसे और कब हुई, जांच कर पता किया जा रहा है।

15 मौतों के बाद जागी योगी सरकार

- बड़े ऐक्शन की है तैयारी, ढहाई जाएगी बिल्डिंग
- यूपी के 20 शहरों के कोचिंग सेंटर्स में छापेमारी

33 सेंटर सील, बेटी का शव देखकर मां बेहोश

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ की कोचिंग में आग लगने की घटना में अब तक 15 लोगों की मौत हो चुकी है। मंगलवार सुबह 11 बजे हादसे की जांच के लिए एसआईटी और फोरेंसिक टीम घटनास्थल पर पहुंची। टीम ने बिल्डिंग की जांच की। एसआईटी टीम में आईपीएस प्रवीण कुमार और आईएएस अमृत अभिजात शामिल हैं। शवों का 7 घंटे तक पोस्टमॉर्टम चला। शव परिजन को सौंप दिए गए। पश्चिम बंगाल की अनामिका (30) का शव देखकर पोस्टमॉर्टम हाउस पहुंची मां बेहोश हो गईं। जांच में पता चला है कि जिस बिल्डिंग में आग लगी, वह अवैध थी। 2016 में गिराने का आदेश हुआ था। बाद में आदेश निरस्त कर दिया गया। लखनऊ विकास प्राधिकरण के वीसी प्रथमेश कुमार ने बताया- बिल्डिंग मालिक को नोटिस जारी कर 15 दिन में जवाब मांगा है। बिल्डिंग पर बुलडोजर चलेगा। बिल्डिंग रामेश्वरम इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट कॉलेज के मालिक वीरेंद्र शुक्ला की है। पुलिस ने गैर-इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज कर वीरेंद्र समेत 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। प्राधिकरण के 6 अफसर सस्पेंड कर दिए गए हैं। 14 अफसरों पर भी कार्रवाई हो सकती है। इधर, अग्निकांड के बाद प्रदेश के 20 से ज्यादा शहरों में कोचिंग-होटलों में पुलिस छापेमारी कर रही है। अब तक 33 कोचिंग और 3 होलट सील कर दिए गए हैं।

20 शहरों में कोचिंग-होटलों में छापेमारी

लखनऊ अग्निकांड के बाद कानपुर, आगरा, मेरठ, बरेली, प्रयागराज, नोएडा, बहराइच और वाराणसी समेत 20 शहरों में पुलिस होटल और कोचिंग संस्थानों पर छापेमारी कर रही है। अब तक कानपुर में 30, वाराणसी में 2 और नोएडा और मथुरा में 1–1 कोचिंग को सील किया गया है। इसके अलावा बरेली में 2 होटल और मथुरा में 1 होटल को भी सील किया गया है। पुलिस कोचिंग संस्थानों और होटलों में सुरक्षा मानकों की जांच कर रही है। यह देखा जा रहा है कि बिल्डिंग में फायर सेफ्टी की व्यवस्था है या नहीं, इमरजेंसी गेट मौजूद है या नहीं और आपात स्थिति से निपटने के पर्याप्त इंतजाम किए गए हैं या नहीं।

डिंपल बोलीं- जिम्मेदारों पर सख्त कार्रवाई हो

लखनऊ कोचिंग कांड पर डिंपल बोलीं– हादसे के जिम्मेदारों पर हो सख्त कार्रवाई लखनऊ अग्निकांड को लेकर सांसद डिम्पल यादव ने कहा– बहुत ही दर्दनाक घटना है। इसमें बहुत सारे छात्रों ने अपनी जान गंवाई है। उनके परिवार वालों के साथ हमारी संवेदना है। उन्होंने कहा– सरकार पूरा सहयोग करे, जो बच्चे घायल हैं, उनका सही से इलाज कराए और मृतकों के परिवार वालों को मुआवजा देना चाहिए। घटना की वजह भी पता कराना चाहिए। इस घटना में जो लोग जिम्मेदार हैं, उन्हें चिह्नित करके उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करे।

राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग पर लगा था गद्दार का टैग

- स्पीकर के फैसले से बच पाई सोफिया फिरदौस की विधायकी

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा में पहली और एकमात्र मुस्लिम महिला विधायक सोफिया फिरदौस के राज्यसभा चुनावों में क्रॉस वोटिंग करने पर बड़ा बवाल मचा था। कांग्रेस पार्टी ने सोफिया फिरदौस समेत दूसरे विधायकों को क्रॉस वोटिंग पर पार्टी से सस्पेंड कर दिया था। चुनाव में कांग्रेस और बीजेपी के 11 विधायकों ने क्रॉस वोटिंग की थी। इन पद गद्दारी का आरोप लगा था। इसके बाद कांग्रेस और बीजेडी दोनों सदस्यता खत्म करने के अर्जियां स्पीकर को दी थीं। स्पीकर स्पीकर सुरमा पाढ़ी ने सोमवार को 11 विधायकों के आठ और कांग्रेस के तीन) के खिलाफ दायर अयोग्यता याचिकाओं को खारिज कर दिया। **सोफिया समेत 11 विधायकों को मिली राहत**– ओडिशा विधानसभा स्पीकर के समक्ष ये याचिकाएं 16 मार्च को हुए राज्यसभा चुनाव में क्रॉस–वोटिंग करने के कारण दायर की गई थीं। स्पीकर ने हर विधायक के लिए अलग–अलग आदेश जारी करते हुए कहा कि याचिकाओं में सही वेरिफिकेशन और सपोर्टिंग सबूतों की कमी थी। दो अन्य विधायक भी शामिल हैं।

मोदी सरकार में इकलौते इसाई मंत्री का इस्तीफा

- बीजेपी ने दोबारा नहीं दिया था राज्यसभा का टिकट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के वरिष्ठ नेता जॉर्ज कुरियन ने मंगलवार को अल्पसंख्यक मामलों और मत्स्य पालन राज्य मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया। उनका छह साल का राज्यसभा कार्यकाल पूरा हो गया था। कुरियन शायद केंद्र सरकार में एकमात्र ऐसे मंत्री थे जो ईसाई समुदाय से आते हैं। उनका राज्यसभा कार्यकाल 21 जून को समाप्त हुआ है। राष्ट्रपति भवन ने एक बयान में कहा, भारत के राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री की सलाह पर संविधान के अनुच्छेद 75 के खंड (2) के तहत केंद्रीय मंत्रिपरिषद से जॉर्ज कुरियन का इस्तीफा तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया है। 65 साल के कुरियन अगस्त 2024 से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली तीसरी केंद्रीय कैबिनेट में राज्य मंत्री के तौर पर काम कर रहे थे।

दिल्ली में 11 साल की मासूम से रेप फिर हत्या

- फुटपाथ से सोते वक्त उठा ले गया था टैक्सी ड्राइवर गुब्बारे बेचती थी बच्ची

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में गुब्बारे बेचने वाली 11 साल की बच्ची की रेप के बाद हत्या कर दी गई। सोमवार की सुबह फुटपाथ पर सो रही बच्ची का टैक्सी ड्राइवर ने किडनैप किया था। इसके बाद उसने उसका रेप किया और हत्या कर लाश महरौली के जंगलों में फेंक दी थी। सोमवार की सुबह करीब 6 बजे परिवार ने कॉल के जरिए महरौली थाने में बच्ची की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और ह्यूमन इंटेलीजेंस की मदद से चार घंटे में ही बबलू नाम के टैक्सी ड्राइवर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर बच्ची का शव बरामद कर लिया है। शव पोस्टमॉर्टम के लिए आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। आरोपी ने पुलिस की पूछताछ में बताया कि सड़क से गुजरते समय उसने सीडीआर चौक के पास फुटपाथ पर बच्ची को सोते हुए देखा था। उसने नींद में ही बच्ची को उठाया और कार की पिछली सीट पर लिटाकर महरौली के जंगलों में ले गया था, जहां उसने वारदात को अंजाम दिया।

एक तरफ झमाझम, दूसरी ओर 'लू' की मार

- अबकी बार देश में दिख रहे मौसम के दो रूप

- **7–20 सेमी तक भारी बारिश का अलर्ट**– दिल्ली–यूपी–हरियाणा को भले ही अभी मॉनसून के लिए इंतजार करना पड़ रहा है लेकिन दूसरी तरफ मौसम विभाग ने कहा है कि इस सप्ताह देश के कई हिस्सों में झमाझम बारिश होने की संभावना है। आईएमडी ने कहा है कि विशेष रूप से पश्चिमी तट, पूर्वोत्तर भारत, उप–हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में भारी से बहुत भारी बारिश (7–20 सेमी) का अनुमान है। गोवा, तटीय कर्नाटक व केरल में बारिश जारी है।

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने पूर्वानुमानों के ताजा बुलेटिन में कहा है कि इस समय देश में मौसम के दो अलग-अलग रूप देखने को मिल रहे हैं। आईएमडी के मुताबिक, एक तरफ जहां मॉनसून की रिमझिम फुहारें उमस और गर्मी से राहत दे रही हैं, वहीं कुछ इलाकों, जैसे-पूर्वी उत्तर प्रदेश, विदर्भ, दक्षिण-पूर्वी मध्य प्रदेश और बिहार में प्रचंड गर्मी पड़ रही है। आईएमडी ने कहा है कि इन इलाकों में अगले कुछ दिनों तक लू की स्थिति बनी रहने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक, पिछले 24 घंटों में सबसे अधिक तापमान प्रयागराज में 43.3 डिग्री रिकॉर्ड किया गया।

मॉनसून की अगली मंजिल गुजरात और उत्तर प्रदेश

मौसम विभाग ने भविष्यवाणी की है कि अगले 2–3 दिनों में मॉनसून गुजरात, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के और अधिक हिस्सों में प्रवेश करने के लिए तैयार है। इसके बाद के 3–4 दिनों में यह झारखंड और बिहार के बाकी हिस्सों के साथ–साथ उत्तर प्रदेश की सीमा में भी दाखिल हो सकता है। आईएमडी के मुताबिक, फिलहाल मॉनसून की उत्तरी सीमा दहानू, वर्धा, रायपुर और मोतीहारी जैसे क्षेत्रों से होकर गुजर रही है।

कोंकण से गोवा तक बारिश के आसार

मौसम विभाग ने कहा है कि कोंकण और गोवा में 23 जून को कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी बारिश और 24–26 जून के दौरान बहुत भारी बारिश की संभावना है। इसके अलावा पूर्वोत्तर के राज्यों असम और मेघालय में भी 23 जून और 26–27 जून के बीच मूसलाधार (बहुत भारी) बारिश होने का अनुमान है। आईएमडी ने यह भी कहा है कि उप–हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 23 जून और 25 से 29 जून के बीच बहुत भारी बारिश की संभावना है। इसके अलावा तटीय कर्नाटक में 23 से 26 जून के दौरान बहुत भारी बारिश होने की संभावना जताई गई है। बिहार में भी 28 जून को कुछ स्थानों पर बहुत भारी बारिश हो चेतावनी जारी की गई है। मध्य महाराष्ट्र के लिए भी 23 और 26 जून को बहुत भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

गुजरात में एएपी एमएलए चैतर वसावा को बड़ा झटका

- वनकर्मियों से मारपीट मामले में सात साल की सजा; विधायकी खतरे में

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात के नर्मदा जिले की डेडियापाडा सीट से आम आदमी पार्टी (एएपी) के फायरब्रांड विधायक चैतर वसावा की मुश्किलें सातवें आसमान पर पहुंच गई है। राजपीपला सेशंस कोर्ट ने वन विभाग के कर्मचारियों पर हमला करने और सरकारी काम में बाधा डालने के मामले में बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने चैतर वसावा, उनकी पत्नी और अन्य आरोपियों को दोषी ठहराते हुए सात-सात साल की जेल की सजा सुनाई है। सजा के अलावा विधायक एवं उनकी पत्नी को 96000 हजार रुपए का आर्थिक जुर्माना भी लगाया गया है।

एसआईटी ने सरकार को सौंपी राममंदिर चढ़ावा चोरी की रिपोर्ट

20 पेज की रिपोर्ट में ट्रस्ट को दोबारा गठित करने की सिफारिश

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में एसआईटी ने मंगलवार को अपनी जांच रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंप दी। सूत्रों के मुताबिक, इसमें एफआईआर दर्ज करने और ट्रस्ट को दोबारा गठित करने की सिफारिश की गई है। किसी सीनियर अफसर को मंदिर का सीईओ

नियुक्त करने का भी सुझाव है। डिटेल जांच के लिए एसआईटी ने और समय मांगा है। रिपोर्ट गृह विभाग के एडिशनल चीफ सेक्रेटरी संजय प्रसाद को सौंपी गई है। टीम ने बताया कि 20 पन्नों की यह शुरुआती रिपोर्ट है। इसमें 150 लोगों से पूछताछ की डिटेल है। सूत्रों के मुताबिक, एसआईटी ने पिछले 5 साल के चढ़ावे का ऑडिट कराने की भी सिफारिश की है। चढ़ावे में अनियमितता रोकने के लिए सुझाव दिए हैं। ट्रस्ट के पदाधिकारियों की भूमिका पर सवाल उठाए हैं। सूत्रों के मुताबिक, राज्य सरकार रिपोर्ट केंद्रीय गृह मंत्रालय को भेजेगी। इसके बाद गृह मंत्रालय तय करेगा कि ट्रस्ट के किन सदस्यों को रखा जाए या हटाया जाए। 5 आरोपियों लवकुश, अवनीश, अनुकल्प, करुणे और रामशंकर से रिकवरी हुई है।

जिससे होनी थी शादी, उसी की ले ली जान

- अब पुणे में 'सोनम कांड', मंगेतर ने बॉयफ्रेंड संग रचा खूनी खेल

मुंबई (एजेंसी)। सोनम रघुवंशी तो आपको याद ही होगी। हां... वही सोनम जिस पर अपने पति को धक्का देकर मारने का आरोप है। ठीक उसी तरह का मामला अब पुणे से सामने आया है। यहां पर किरदार बदल गए हैं। सोनम शादी के बाद घटना को अंजाम दिया था और यहां शादी से पहले। दरअसल, लोहागढ़ किले में केतन विशाल अग्रवाल (26) की मौत अब प्रेम-षड्यंत्र की एक चौंकाने वाली हत्या साबित हुई है। पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि केतन को उनकी मंगेतर सिया गोयल और उसके प्रेमी चेतन चौधरी ने किले की घाटी में धक्का देकर मार डाला। मामले की जांच कर रही पुणे पुलिस के अनुसार, 19 जून को हुई यह घटना हत्या का तीसरा और सफल प्रयास था। पुलिस के अनुसार, इससे पहले 31 मई और 14 जून को भी दोनों आरोपी केतन को मारने की कोशिश कर चुके थे, लेकिन वह विफल रहे। दोनों मौकों पर आरोपी घटना को दुर्घटना का रूप देना चाहते थे। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जांच के दौरान मिले सबूतों के आधार पर सिया गोयल और उसके दोस्त को गिरफ्तार कर लिया गया है। दोनों घटना के समय मौके पर मौजूद थे। तकनीकी साक्ष्यों,

मोबाइल रिकॉर्ड और डिजिटल एविडेंस से साफ हो गया है कि यह आकस्मिक गिरना नहीं, बल्कि सुनियोजित हत्या थी।

पहले से था हत्या का प्लान

बताया जा रहा है कि केतन अग्रवाल अपनी मंगेतर सिया गोयल और दोस्तों के साथ लोहागढ़ किले गए थे। अगले महीने होने वाली शादी से पहले सिया का जन्मदिन मनाने का कार्यक्रम था। पुलिस के मुताबिक, सिया गोयल का चेतन चौधरी नामक व्यक्ति से अवैध संबंध था और वह केतन से शादी नहीं करना चाहती थी। परिवार द्वारा तय इस रिश्ते को तोड़ने के लिए उसने चेतन के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची। पहला प्रयास 31 मई को हुआ था। इसके बाद 14 जून को सांप के हमले का बहाना बनाकर केतन को घाटी में धकेलने की कोशिश की गई, लेकिन सफलता नहीं मिली। और 19 जून को सिया ने फिर से किले की यात्रा का आयोजन किया और चेतन को बुलाकर केतन को करीब 350 फीट गहरी घाटी में धक्का दे दिया। दरअसल, शुरुआत में पुलिस ने इसे आकस्मिक घटना मानकर केस दर्ज किया था। केतन तस्वीरें लेते हुए घाटी के किनारे से फिसल गए, ऐसा माना गया। लेकिन सिया गोयल से पूछताछ में कुछ बातें छिपाने का पता चला।

केतन के परिवार को लगा झटका

केतन के परिवार के एक सदस्य ने बताया कि शादी से पहले दोनों बाली जाने वाला था। सभी टिकट और होटल बुकिंग हो चुकी थी, लेकिन सिया ने होटल के वॉशरूम में अपना पासपोर्ट फाड़कर फेंक दिया और प्लान कैंसल कर दी। उन्होंने आगे बताया कि केतन ने महाबलेश्वर में सिया के जन्मदिन के लिए लग्जरी रिसॉर्ट में 40 कमरे भी बुक किए थे।

लोहागढ़ में प्री–वेडिंग फोटोशूट की भी योजना थी। परिवार को अब गहरा सदमा लगा है। उन्होंने कहा कि हम सोच भी नहीं सकते थे कि यह हत्या होगी।

एक नजर

साठ वर्ष से पुराने जर्जर भवन में पढ़ने के लिए को मजबूर छात्र

चिन्यालीसौड़। करगिल शहीद दिनेश चंद कुमांई राजकीय इंटर कॉलेज जागत का संचालन विगत 43 वर्षों से करीब साठ वर्ष पुराने राजकीय जूनियर हाईस्कूल के भवन में किया जा रहा है। इसमें कई कमरे जर्जर हो चुके हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि जर्जर कमरों को ध्वस्त कर नया भवन बनाया जाए।

अभिभावक शिक्षक संघ के अध्यक्ष जगमोहन पंवार, राजेश रावत, मनवीर चौहान, लक्ष्मण कैंतूरा का कहना है कि जोगत में राजकीय जूनियर हाईस्कूल के भवन का निर्माण 1965 में किया गया था। क्षेत्र में इंटर कॉलेज स्वीकृत होने के बाद 1982 से विद्यालय का संचालन जूनियर हाईस्कूल के भवन में किया जा रहा है।

वर्तमान में विद्यालय के करीब 130 छात्र–छात्राएं करीब साठ वर्ष पुराने जर्जर भवन में पढ़ने के लिए मजबूर हैं। स्थानीय लोग कई बार जर्जर हो चुके भवनों को तोड़कर वहां पर नए भवन की मांग कर चुके हैं लेकिन इस पर किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं हो रही है। कहा कि विद्यालय का नाम करगिल शहीद दिनेश चंद कुमांई के नाम पर रखा गया है। उनके परिजन भी कई बार शासन–प्रशासन से इस विद्यालय के भवन निर्माण की मांग कर चुके हैं।

केवि खुलवाने के लिए भटवाड़ी क्षेत्र के लोग मुखर

उत्तरकाशी। भटवाड़ी क्षेत्र में केंद्रीय विद्यालय की स्थापना नहीं होने से लोगों में आक्रोश है। क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, अभिभावकों और विभिन्न सामाजिक संगठनों ने शासन–प्रशासन को कड़ा अल्टीमेटम देते हुए चेतावनी दी है कि यदि जल्द केंद्रीय विद्यालय नहीं खुला तो 25 जून से भटवाड़ी में रैली के साथ अनिश्चितकालीन धरना–प्रदर्शन शुरू किया जाएगा।

प्रधान संगठन के ब्लाक अध्यक्ष रमेश सिंह नेगी, अनिल रावत ने बताया की भटवाड़ी में केंद्रीय विद्यालय खोलने की मांग वर्षों से लगातार उठाई जा रही है। इस संबंध में कई बार शासन–प्रशासन और जनप्रतिनिधियों को ज्ञापन भी सौंपे गए लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं हो पाई है। इससे स्थानीय जनता में भारी नाराजगी है। बेहतर शैक्षणिक सुविधाओं के अभाव में अनेक छात्रों को उत्तरकाशी, देहरादून तथा अन्य शहरों की ओर रुख करना पड़ता है। इससे अभिभावकों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ता है। इसका सबसे अधिक प्रभाव आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों पर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि भटवाड़ी में केंद्रीय विद्यालय की स्थापना होने से क्षेत्र के हजारों विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध हो सकेगी।

मौसम की मार से सेब उत्पादन में गिरावट ने बढ़ाई बागवानों की चिंता

पुरोला। रवांई घाटी के सेब उत्पादक इस बार बेहद चिंतित हैं। क्षेत्र में असमय बारिश, पाला और बार–बार हुई ओलावृष्टि ने सेब की फसल को बुरी तरह प्रभावित किया है। किसानों का कहना है कि इस बार बागों में सामान्य उत्पादन का मात्र 10 प्रतिशत सेब ही बच पाया है जिससे उनके सामने परिवार के भरण–पोषण और बैंक ऋण चुकाने की समस्या खड़ी हो गई है।

सेब उत्पादकों का कहना है कि फूल आने के समय हुई बारिश और पाले ने अधिकांश फ्लॉवरिंग को नुकसान पहुंचाया। इसके बाद जो थोड़ी–बहुत फसल बची थी वह लगातार हुई ओलावृष्टि की भेंट चढ़ गई। इससे उत्पादन काफी गिर गया है। आराकोट के सेब उत्पादक किसान मनमोहन चौहान ने बताया कि उनके बगीचे से हर वर्ष करीब दो हजार सेब के बॉक्स तैयार होते थे लेकिन इस बार 60 से 70 बॉक्स निकलना भी मुश्किल दिखाई दे रहा है।

वहीं पुरोला क्षेत्र के किसान बिजेन्द्र रावत ने कहा कि उनके बगीचे से आमतौर पर लगभग एक हजार बॉक्स उत्पादन होता था जबकि इस बार पूरे बगीचे में 20 बॉक्स सेब निकलना भी कठिन लग रहा है। प्रमोद रावत, हरीश चौहान, प्रमोद, कपिल, राजेश, मनमोहन, रामप्रसाद आदि किसानों का कहना है कि उत्पादन में भारी गिरावट के कारण बागों में किए गए दवाइयों, खाद और अन्य प्रबंधन खर्चों की लागत निकालना भी मुश्किल हो जाएगा।

स्याना चट्टी में निर्माणाधीन बैली ब्रिज की गुणवत्ता पर उठाए सवाल

बड़कोट। यमुनोत्री हाईवे पर स्याना चट्टी में निर्माणाधीन बैली ब्रिज के निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर स्थानीय लोगों ने सवाल खड़े किए हैं। आरोप है कि पुल के दोनों ओर बनाए जा रहे पिलर और सीसी ब्लॉक निर्माण में मानकों की अनदेखी की जा रही है। ब्लॉक में खुलेआम बड़े पत्थरों का इस्तेमाल किया जा रहा है जिससे निर्माण की मजबूती पर संदेह पैदा हो गया है।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि यह पुल चारधाम यात्रा के दौरान प्रतिदिन सैकड़ों वाहनों के आवागमन का प्रमुख माध्यम बनेगा। इसके अलावा क्षेत्रीय लोगों की आवाजाही भी इसी पुल पर निर्भर रहेगी। ऐसे में निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही भविष्य में गंभीर खतरा साबित हो सकती है।

गत वर्ष आपदा के दौरान स्याना चट्टी क्षेत्र में जलभराव और बाढ़ से भारी नुकसान हुआ था। आगामी बरसात को देखते हुए सुरक्षा के मद्देनजर राष्ट्रीय राजमार्ग की ओर से यहां वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में बैली ब्रिज का निर्माण कराया जा रहा है लेकिन स्थानीय लोगों का आरोप है कि निर्माण एजेंसी गुणवत्ता मानकों का पालन नहीं कर रही है और पुल के दोनों ओर बनने वाले पिलर की मजबूती को लेकर आवश्यक सावधानी नहीं बरती जा रही है।

प्लास्टिक की पन्नी में उगा रहे शिमला मिर्च के पौधे

पहाड़पानी (नैनीताल)। ओलावृष्टि और धूप से शिमला मिर्च के पौधों की जड़ें बचाने के लिए धारी क्षेत्र के किसानों ने पहली बार प्लास्टिक की पन्नी का इस्तेमाल शुरू किया है। किसान खेत में बड़े साइज की पन्नी बिछाकर बीच–बीच में पौधों के लिए छेद बनाकर पौधे उगा रहे हैं।

दीनी मल्ली के किसान दीपू खोलिया ने बताया कि पन्नी में छेद बनाकर मिर्च के पौधे लगाने के बाद से फसलों की ग्रोथ में काफी वृद्धि हुई है। गांव के शेखर दुम्का ने बताया कि प्लास्टिक में शिमला मिर्च की अच्छी पैदावार हो रही है। उन्होंने कहा कि इससे धूप और ओलावृष्टि के समय भी पौधों को अधिक नुकसान नहीं होता है। फसलें भी जल्दी तैयार हो रही हैं। महतोलियागांव के किसान ललित महतोलिया ने कहा कि प्लास्टिक की पन्नी में शिमला मिर्च के पौधे लगाने के बाद गुड़ाई नहीं करनी पड़ती है। खरपतवार की समस्या भी दूर होती है। राजू बहुगुणा ने कहा कि पहली बार इस तकनीक से किसानों को लाभ हुआ है। सिंचाई के लिए पानी की भी अधिक जरूरत नहीं पड़ रही है।

श्रद्धालुओं की सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता, अफवाहों से बचें : धामी

कर्णप्रयाग और नगरासू प्रकरण में निष्पक्ष कार्रवाई जारी, दोषियों पर होगी सख्त कार्रवाई

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को सचिवालय में आयोजित एक उच्चस्तरीय बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए कि चारधाम एवं हेमकुंट साहिब यात्रा पर आने वाले सभी श्रद्धालुओं की सुख-सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाए। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर भ्रामक सूचनाएं प्रसारित करने वालों से अपील की कि वे समाज और समुदायों को बांटने का प्रयास न करें। कहा कि सभी धर्मों के लोगों ने मिल-जुलकर देश को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भ्रामक और भड़काऊ खबरें फैलाने वालों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेशभर में आने वाले श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों का देवभूमि उत्तराखण्ड में हार्दिक स्वागत है। कहा कि उत्तराखण्ड आस्था, संस्कृति और प्रकृति की अमूल्य धरोहर है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों से अपील की कि वे देवभूमि उत्तराखण्ड के शांत वातावरण में अपनी यात्रा का पूर्ण आनंद लें तथा किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें। मुख्यमंत्री ने कहा कि कर्णप्रयाग और नगरासू में सामने आई घटनाओं के संबंध में सभी पक्षों को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार, प्रशासन एवं पुलिस आवश्यक कार्रवाई कर रहे हैं। जांच में जो भी दोषी पाया गया है, उसके विरुद्ध कार्रवाई की गई है तथा सभी तथ्यों के आधार पर आगे भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में चारधाम यात्रा के साथ-साथ हेमकुंट साहिब यात्रा भी सुचारु रूप से संचालित हो रही है। चारधाम यात्रा में अब तक 40 लाख से अधिक श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। वहीं, हेमकुंट साहिब यात्रा के शुरुआती दिनों में ही श्रद्धालुओं की संख्या पिछले वर्ष की तुलना में 25 हजार अधिक दर्ज की गई है। इस अवसर पर बदरी-केदार मंदिर समिति के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी, हेमकुंट साहिब प्रबंधन ट्रस्ट के अध्यक्ष नरेन्द्रजीत सिंह बिन्द्रा, मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, अपर मुख्य सचिव आर.के. सुधांशु, सचिव गृह शैलेश बगौली, पुलिस महानिदेशक दीपम सेठ, सचिव विनय शंकर पाण्डेय, डीजी अभिसूचना एवं सुरक्षा अभिनव कुमार, आईजी श्रीमती रिद्धिम अग्रवाल, अपर सचिव बंशीधर तिवारी, अपर सचिव श्रीमती तृप्ति भट्ट उपस्थित थे।

डीएम के निर्देश, सभी कोचिंग सेंटरों में होगी अग्निसुरक्षा मानकों की जांच

देहरादून : जिले के सभी कोचिंग सेंटरों में अग्निसुरक्षा मानकों की जांच की जाएगी। इस संबंध में जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने सभी उपजिलाधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं। सभी जगहों पर पुलिस और अग्निशमन विभाग के साथ मिलकर अभियान चलाया जाएगा। मानकों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश भी जिलाधिकारी ने दिए हैं। लखनऊके कोचिंग सेंटर में आग लगने से हुई 15 बच्चों की मौत की घटना ने पूरे देश में कोचिंग सेंटरों में बच्चों की सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। देहरादून शहर में भी कई ऐसे कोचिंग सेंटर हैं जो संकरी गलियों और छोटे–छोटे मकानों में चल रहे हैं। कई बड़े कोचिंग सेंटर भी ऐसे हैं जो कि किसी दुकान में संचालित हो रहे हैं। ऐसे में यहां कभी कोई हादसा न हो इसके लिए प्रशासन ने फायर सेफ्टी ऑडिट करने का निर्णय लिया है।

जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने बताया कि छात्रों की सुरक्षा के प्रति प्रशासन प्रतिबद्ध है। इसके लिए सभी कोचिंग सेंटरों में एक विशेष टीम बनाकर अग्निसुरक्षा मानकों की जांच की जाएगी। सभी उप जिलाधिकारियों को इस संबंध में दिशा निर्देश जारी किए गए हैं। पुलिस के साथ समन्वय बनाकर पूरी कार्रवाई को किया जाएगा। इसमें फायर सेफ्टी के इंतजाम और कोचिंग सेंटरों में आने जाने वाले रास्तों को भी देखा जाएगा। नियमों के उल्लंघन पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

देहरादून के कई थानों को बम से उड़ने की धमकी

देहरादून , जिले में कई पुलिस थानों को बम से उड़ाने की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। यह धमकी एक इंस्टाग्राम आईडी से पोस्ट के जरिए दी गई बताई जा रही है। सोशल मीडिया पर वायरल हुई इस पोस्ट के बाद पुलिस प्रशासन अलर्ट हो गया। मसूरी और देहरादून शहर कोतवाली सहित संबंधित थानों में प्राथमिक जांच शुरू कर दी गई है।

पुलिस साइबर सेल की मदद से इंस्टाग्राम आईडी की जांच की जा रही है और पोस्ट करने वाले व्यक्ति की पहचान करने के प्रयास किए जा रहे हैं। सुरक्षा के मद्देनजर संवेदनशील स्थानों पर निगरानी भी बढ़ा दी गई है।

मसूरी नगर पालिका कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी,

मसूरी नगर पालिका परिषद और प्रशासन को ई–मेल के माध्यम से बम विस्फोट की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। प्राप्त ई–मेल में मसूरी नगर पालिका अध्यक्ष मीरा सकलानी के कार्यालय सहित देहरादून और दिल्ली के विभिन्न स्थानों पर बम विस्फोट करने की धमकी दी गई है।

धमकी भरे ई–मेल में मसूरी नगर पालिका कार्यालय में दोपहर 3:11 बजे विस्फोट करने का उल्लेख किया गया है। इसके अलावा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी तथा देहरादून और दिल्ली के विभिन्न सरकारी प्रतिष्ठानों को भी निशाना बनाने की बात कही गई है। ई–मेल में धार्मिक स्थलों, रेलवे स्टेशनों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर हमले की भी धमकी दी गई है।

पुलिस की गाड़ी खाई में गिरी, चौकी प्रभारी की मौत

देहरादून। थाना मुनि की रेती क्षेत्र की शिवपुरी पुलिस चौकी के प्रभारी विनोद कुमार शर्मा की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। उनके असामयिक निधन से पुलिस महकमे और रानीपोखरी क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार रानीपोखरी निवासी विनोद कुमार शर्मा बीती रात थाना मुनि की रेती से ड्यूटी पूरी कर अपने वाहन से शिवपुरी चौकी की ओर जा रहे थे। इसी दौरान उनकी गाड़ी अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गई। दुर्घटना का पता पुलिस प्रशासन को काफी देर बाद चल सका।

सूचना मिलते ही पुलिस और राहत दल मौके पर पहुंचे तथा कड़ी मशक्कत के बाद उनका शव खाई से बाहर निकाला गया। विनोद कुमार शर्मा पूर्व में भारतीय सेना में भी अपनी सेवाएं दे चुके थे। पुलिस विभाग में उन्होंने विभिन्न महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाईं और ढालवाला और कैलाश गेट चौकी प्रभारी के रूप में भी कार्य किया। अपनी विनम्रता, कर्तव्यनिष्ठा और मृदुभाषी स्वभाव के कारण वह पुलिस कर्मियों और आम जनता के बीच बेहद लोकप्रिय थे।

इलेक्ट्रिक स्कूटी शोरूम में भीषण आग

सप्तऋषि। भूपतवाला क्षेत्र में प्राचीन श्रीराम मंदिर आश्रम के सामने स्थित एक इलेक्ट्रिक स्कूटी शोरूम में सोमवार देर रात भीषण आग लग गई। आग की चपेट में आने से शोरूम में खड़ी इलेक्ट्रिक स्कूटी, स्पेयर पार्ट्स, बैटरियां, टायर, कंप्यूटर सिस्टम समेत अन्य सामान जलकर राख हो गया। आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट मानी जा रही है। बालाजी मोटर्स के संचालक बालेश कुमार ने बताया कि वह रात करीब 10 :30 बजे दुकान बंद कर घर चले गए थे। करीब 11 :30 बजे पड़ोसियों का फोन आया कि उनकी दुकान में आग लगी हुई है। सूचना मिलते ही वह मौके पर पहुंचे। इस बीच खड़खड़ी चौकी पुलिस भी पहुंच गई और आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग की तीव्रता अधिक होने के कारण दो छोटे सिलिंडर भी तुरंत खाली हो गए। उन्होंने बताया कि अग्निशमन विभाग को सूचना दी गई, जिसके बाद मायापुर फायर स्टेशन से दमकल वाहन करीब 12 :30 बजे मौके पर पहुंचा और आग पर काबू पाया।

लालपुल के पास सिटी बस ने छह मजदूरों को कुचला, एक की मौत

देहरादून ,,देहरादून के पटेलगनर लालपुर क्षेत्र में एक सिटी बस ने छह मजदूरों को कुचल दिया। इलाज के दौरान एक मजदूर की मौत हो गई। जबकि अन्य पांच की हालत नाजुक है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बस ने सड़क किनारे चल रहे लोगों को टक्कर मार दी। हादसे के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई और स्थानीय लोगों ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। मिली जानकारी के अनुसार बस चालक को दौरा पड़ा था। चालक फिलहाल पुलिस हिरासत में है। हादसा इतना दर्दनाक था कि मौके पर चीख–पुकार मच गई और घटनास्थल पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बस की टक्कर से छह से अधिक लोग बुरी तरह घायल हो गए। हादसे के बाद सड़क पर लंबा जाम लग गया और राहगीरों में अफरा–तफरी का माहौल बन गया।

काशीपुर में एक ही जमीन की 5 बार हुई रजिस्ट्री

हल्द्वानी। जमीनों की खरीद–बिक्री बढ़ने के साथ ही धोखाधड़ी के मामले भी बढ़ रहे हैं। हल्द्वानी के कठघरिया क्षेत्र में एक ही प्लाट की पांच बार रजिस्ट्री कर खरीदारों को माफिया ने चूना लगाया गया।

इसमें सेना से सेवानिवृत्त होकर आए एक जवान को भी ठगा गया। काशीपुर में भी कुछ ऐसा ही हुआ, जिसमें एक प्लाट की रजिस्ट्री चार बार कराकर आम लोगों को लूटा गया। रुद्रपुर में तो भूमाफिया ने करीब तीन बीघा नजूल भूमि प्लाटिंग कर बेच दी।

ये कुछ उदाहरण हैं। नैनीताल, ऊधम सिंह नगर और अल्मोड़ा जिले के ऐसे ही 30 मामलों में लैंड फ्राड समन्वय समिति ने प्राथमिक दर्ज कराने की संस्तुति की है।

हल्द्वानी सर्किट हाउस में मुख्यमंत्री के सचिव एवं कुमाऊंकमिश्नर दीपक रावत की अध्यक्षता में लैंड फ्राड समन्वय समिति की बैठक हुई। इसमें भूमि संबंधित फर्जीवाड़े के 77 मामलों की समीक्षा की गई। जिसमें अल्मोड़ा के एक, ऊधम सिंह नगर 12 और नैनीताल के 17 लैंड फ्राड से जुड़े मामलों में केस दर्ज कराने को कहा गया। कमिश्नर ने अधिकारियों को मामलों का प्राथमिकता से निस्तारण करने के सख्त निर्देश दिए।

नैनीताल की चार समस्याओं से राज्यपाल को रूबरू कराया

नैनीताल। मां नयना देवी व्यापार मंडल नैनीताल के प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को लोकभवन में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि.) से शिष्टाचार भेंट की। संस्थापक अध्यक्ष पुनीत टंडन और उपाध्यक्ष विकास जायसवाल के नेतृत्व में शिष्टमंडल ने राज्यपाल को नैनीताल की समस्याओं से अवगत कराते हुए मांग पत्र सौंपा। व्यापार मंडल ने राज्यपाल के सम्मुख नैनीझील में गिर रहे सीवर का मुद्दा उठाया। साथ ही क्षतिग्रस्त लोअर मॉल रोड के सुदृढ़ीकरण कार्य में हो रही देरी पर चिंता जताई। उन्होंने बताया कि अपर मॉलरोड पर दबाव बढ़ गया है जिससे वहां भी दरारें (क्रैक्स) उभर आई हैं। आगामी मानसून को देखते हुए यह स्थिति बेहद खतरनाक है जिससे स्थानीय नागरिकों और पर्यटकों को भारी असुविधा हो रही है।

प्रतिनिधिमंडल ने पाइंस श्मशान घाट के जीर्णोद्धार में आ रही विभागीय अड़चनों को दूर करने और बोट हाउस क्लब के सामने वाले पार्क को सेंट्रल पार्क के रूप में विकसित करने की मांग की। व्यापार मंडल ने इस पार्क को गोद लेकर इसकी देखरेख का जिम्मा स्वयं उठाने का प्रस्ताव भी रखा।

नैनीताल में मीडिया सेंटर बनेगा

,नैनीताल। संयुक्त निदेशक सूचना नितिन उपाध्याय ने सोमवार को जिला सूचना कार्यालय नैनीताल का निरीक्षण किया। उन्होंने मीडिया प्रतिनिधियों से संवाद किया और नैनीताल में मीडिया सेंटर के निर्माण हेतु भूमि चयन कर प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर नीति भी जल्द लागू की जाएगी।

निरीक्षण के दौरान उपाध्याय ने कार्यालय की व्यवस्थाओं और प्रचार–प्रसार कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने पत्रकारों से सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन–जन तक पहुंचाने में मीडिया की भूमिका पर चर्चा की। उपाध्याय ने बताया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की घोषणा के अनुसार आधुनिक मीडिया सेंटर की स्थापना पर तेजी से काम हो रहा है। उन्होंने जिला सूचना अधिकारी को नैनीताल में मीडिया सेंटर के लिए भूमि चयन का प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए। पत्रकारों ने चिकित्सा सुविधा के लिए अनुबंधित अस्पतालों की संख्या बढ़ाने और मान्यता संबंधी मुद्दे उठाए। उपाध्याय ने आश्वासन दिया कि पत्रकारों के कल्याण के लिए सरकार कटिबद्ध है।

चोरी की मोटर साइकिल के साथ एक गिरफ्तार

रबहादराबाद। पुलिस ने चोरी की मोटरसाइकिल के साथ आरोपी विकास उर्फ टैटू निवासी झबरेड़ा को गिरफ्तार किया है। कोर्ट में पेश करने के बाद उसे जेल भेज दिया गया है। कोतवाली प्रभारी अमरजीत सिंह ने बताया कि सोमवार को बाजार चौकी प्रभारी टीम के साथ वाहन चेकिंग कर रहे थे। पीपल चौक की ओर से आ रहे एक संदिग्ध को मोटरसाइकिल रोकने का इशारा किया तो वह भागने की कोशिश करने लगा। पीछा करते हुए उसे कुछ दूरी पर पकड़ लिया गया। पूछताछ में उसने अपना नाम विकास उर्फ टैटू बताया। कबूल किया कि उसने मोटरसाइकिल दीप पब्लिक स्कूल के पास से चोरी की थी।

वन्यजीवों के लिए प्रदेश में बनेंगे 10 ट्रांजिट सेंटर

देहरादून। राज्य में मानव–वन्यजीव संघर्ष की बढ़ती घटनाओं के मद्देनजर 10 नए ट्रांजिट सेंटर बनाने की योजना बनाई गई है। इसमें भालू के लिए भी बाड़ा तैयार किया जाएगा, जिससे उनको भी रखने की व्यवस्था हो। बीतें एक साल में भालू के हमले की 116 घटनाएं हुई हैं।

इसमें आठ लोगों की मृत्यु हुई है। अभी राज्य में सिर्फ हरिद्वार चिड़ियापुर में ट्रांजिट सेंटर है। हाल के वर्षों में वन्यजीवों के हमलों की घटनाएं बढ़ी है, ऐसे में ट्रांजिट सेंटर बनाने का फैसला किया गया। इसमें 80 तेंदुओं को रखने की क्षमता होगी।

अपर प्रमुख वन संरक्षक विवेक पांडे ने बताया कि योजना स्वीकृत होने के बाद उसके डिजाइन को केंद्रीय चिड़ियाघर के पास मंजूरी करने के लिए भेजा गया है। अल्मोड़ा मिनी चिड़ियाघर और रेस्क्यू सेंटर को अलग–अलग किया जाएगा। डीएफओ प्रदीप धौलखंडी ने बताया कि यहां रेस्क्यू सेंटर की क्षमता बढ़ाने की भी योजना है।

एक नजर

गुमखाल के समीप खाई में मिला श्रमिक का शव

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : जहरीखाल स्थित एक निर्माणाधीन होटल में काम कर रहे श्रमिक का गुमखाल के समीप खाई से शव बरामद हुआ है। श्रमिक पिछले तीन दिन से लापता चल रहा था।

मंगलवार दोपहर पुलिस को सूचना मिली कि गुमखाल के समीप खाई में एक शव पड़ा हुआ था। घटना स्थल पर पहुंची पुलिस ने रेस्क्यू अभियान चलाते हुए शव को खाई से बाहर निकाला। आसपास पूछताछ करने पर मालूम हुआ कि व्यक्ति जहरीखाल में बन रहे एक होटल में मजदूरी का काम करता था। 20 जून की शाम वह सामान लेने के लिए गुमखाल गया हुआ था। लेकिन, वापस नहीं लौटा। जिसके बाद अन्य श्रमिक भी लगातार उसकी तलाश कर रहे थे। मृतक की पहचान पश्चिम बंगाल कुमारंगज निवासी (39) रबीउलहक पुत्र कमरूल हम के रूप में हुई है।

नीट परीक्षा की धांधली पर कांग्रेस ने जताया रोष

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : नीट परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक होने, परीक्षाओं में कथित धांधली, भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन के मामलों को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एसडीएम शालिनी मौर्य के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजकर उच्च स्तरीय जांच की मांग की है।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ज्ञापन में कहा कि नीट परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक होने और विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सामने आए पेपर लीक मामलों की निष्पक्ष एवं उच्च स्तरीय जांच कराई जानी चाहिए। उन्होंने मांग की है कि मामले की जांच उच्चतम न्यायालय की निगरानी में या सीबीआई से कराकर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। ज्ञापन में कहा गया है कि हाल के वर्षों में प्रतियोगी परीक्षाओं में धांधली, पेपर लीक और कुप्रबंधन के कई मामले सामने आए हैं। इसके चलते परीक्षाएं बार-बार रद्द हो रही हैं और परिणामों में भी देरी हो रही है। ज्ञापन सौंपने वालों में कांग्रेस नगर अध्यक्ष रोशन शाह, पूर्व अध्यक्ष गंभीर सिंह रावत, राजेश अग्रवाल, राजेश्वर गुप्ता, प्रेम सिंह रावत और महबूब आलम आदि शामिल रहे।

बस की चपेट में आने से बाईक सवार तीर्थयात्री की मौत, एक गंभीर

श्रीनगर गढ़वाल : ऋषिकेश-बदरीनाथ हाईवे पर पंतगांव शिवमूर्ति के पास बस की चपेट में आने से बाइक सवार तीर्थयात्री की मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार लुधियाना पंजाब से दो बाइक सवार युवक ऋषिकेश की ओर से हेमकुंड साहिब के दर्शन के लिए जा रहे थे। शिवमूर्ति के समीप ऋषिकेश से बदरीनाथ की ओर जा रही एक बस की चपेट में आने से बाइक का संतुलन बिगड़ गया। युवक सीधे बस के टायर के नीचे आ गया और उसकी मौत हो गई, जबकि दूसरा युवक बाइक से छिटककर दूर जा गिरा। इससे उसकी जान तो बच गई, लेकिन वह गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक की पहचान बलवीर सिंह (35) पुत्र तरलोक सिंह, निवासी सुनेत, लुधियाना के रूप में हुई है। घायल युवक कर्मजीत सिंह (33) पुत्र बलवीर सिंह, निवासी भिंड जारखड, लुधियाना को पुलिस ने बेस अस्पताल श्रीनगर में भर्ती करवाया है। (एजेंसी)

बीएड व पीजी प्रवेश परीक्षा परिणाम जल्द घोषित करने की तैयारी

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय की बीएड एवं पीजी प्रवेश परीक्षाओं (यूईटी) का परिणाम घोषित करने की तैयारी शुरू हो गई है। गत 17 से 20 जून तक विवि के तीनों परिसरों सहित देहरादून, रुड़की व ऋषिकेश परीक्षा केंद्र पर गढ़वाल विवि की प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई थी, जिसमें पंजीकृत कुल 13,900 अभ्यर्थियों में से 11,560 से अभ्यर्थी शामिल हुए थे। अब विवि की ओर से इस परीक्षा की उत्तर कुंजी जारी कर दी गई है। विवि के कुलसचिव प्रो. वाईपी रैवानी ने बताया कि विवि की ओर से यूईटी 2026-27 की आधिकारिक उत्तर कुंजी जारी कर दी है। उत्तर कुंजी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि अभ्यर्थी उत्तर कुंजी का अवलोकन करें व किसी प्रश्न के उत्तर पर आपत्ति होने पर 25 जून से 28 जून तक आवश्यक साक्ष्यों सहित पर अपनी आपत्ति भेज सकते हैं। आपत्तियों के निस्तारण के बाद अंतिम उत्तर कुंजी और परिणाम जारी किए जाएंगे। विवि के प्रवेश परीक्षा समन्वयक डॉ. प्रीतम सिंह नेगी ने बताया कि विवि का प्रयास है कि नया शैक्षणिक सत्र शुरू होने से पहले ही प्रवेश परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया जाए ताकि प्रवेश एवं काउंसिलिंग प्रक्रिया समय पर पूरी हो सके। (एजेंसी)

लक्ष्य आधारित दबाव और उत्पीड़न के विरोध में ग्रामीण डाक सेवकों ने किया प्रदर्शन

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : अखिल भारतीय ग्रामीण डाक सेवक संघ ने ग्रामीण डाक सेवकों पर बढ़ते लक्ष्य आधारित दबाव और उत्पीड़न के विरोध में केंद्र सरकार के खिलाफ सांकेतिक प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्मिकों ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। संघ ने डाक विभाग की विभिन्न योजनाओं में निर्धारित लक्ष्यों को तत्काल समाप्त करने की मांग की। मंगलवार को जिला मुख्यालय में प्रधान डाकघर परिसर में अखिल भारतीय ग्रामीण डाक सेवक संघ के आह्वान पर ग्रामीण डाक सेवकों ने सांकेतिक धरना दिया। संघ के मंडलीय अध्यक्ष विजय नैथानी व मंडलीय सचिव प्रेम सिंह भंडारी ने बताया कि जनपद में प्रधान डाकघरों से लेकर ग्रामीण डाकघरों में ग्रामीण डाक सेवकों की भूमिका महत्वपूर्ण है। विपरीत परिस्थितियों में लगातार ग्रामीण डाक सेवक बेहतर सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन गत वर्षों से डाक विभाग में खाता खोलने और पीएलआई को लक्ष्य आधारित बना दिया गया है। लक्ष्य हासिल नहीं होने पर कार्मिकों का उत्पीड़न किया जा रहा है, जिससे कार्मिक तनाव में हैं। उन्होंने लक्ष्य को आधार बनाए जाने पर तत्काल रोक लगाए जाने की मांग की। संघ ने ग्रामीण डाक सेवकों को आठवें वेतन आयोग में शामिल किए जाने, शाखा डाकघरों में स्टेशनरी की पूर्ति किए जाने, जीडीएस कार्मिकों को अवकाश दिए जाने पर उसे सेवा में जोड़े जाने सहित अन्य मांगों के निराकरण की मांग की। प्रदर्शनकारियों में मंडलीय कोषाध्यक्ष रमेश चंद्र, श्रीधर प्रसाद, कैलाश रावत, प्रकाश नौडियाल, सुषमा देवी, लता देवी, शांति देवी, दिनेश रावत आदि शामिल रहे।

कोटद्वार में चोरी की दो वारदातों का खुलासा, पिल्ला गैंग के छः सदस्य दबोचे

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : नगर निगम क्षेत्र में हाल ही में हुई चोरी की दो घटनाओं का कोटद्वार पुलिस ने खुलासा करते हुए पिल्ला गैंग के छह सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इनमें दो किशोर भी शामिल हैं। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से चोरी की गई करीब 2.5 लाख रुपये कीमत की रोलेक्स घड़ी समेत अन्य सामान बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार हरिद्वार क्षेत्र निवासी प्रदीप कुकरेती ने 19 जून को कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई थी कि तीन जून को परिवार सहित बाहर जाने के दौरान उनके बंद मकान का ताला तोड़कर चोर कीमती सामान ले गए। वहीं 21 जून को जल निगम कॉलोनी में रहने वाले अधिशासी अभियंता अजय बेलवाल ने भी अपने सरकारी आवास में चोरी होने की सूचना पुलिस को दी थी। लगातार हो रही चोरी की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने जांच शुरू की। घटनास्थलों और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई। तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर तंत्र की मदद से संदिग्धों की पहचान कर उनकी गतिविधियों पर नजर रखी गई। जांच के दौरान सामने आए सुरागों के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पिल्ला गैंग के छः सदस्यों को पकड़ लिया। कोतवाली प्रभारी प्रदीप नेगी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों में कौड़िया निवासी प्रमिंद्र उर्फ पप्पी, सूर्यानगर निवासी अमन कुमार, सजवान कॉलोनी निवासी सुरेंद्र उर्फ सनम और नजीबाबाद निवासी तस्लीम अहमद उर्फ काला शामिल हैं। इसके अलावा दो नाबालिगों को भी संरक्षण में लिया गया है। पुलिस ने आरोपितों से रोलेक्स कंपनी की घड़ी, इन्वर्टर, बैटरी, गैस सिलिंडर, एलसीडी टीवी सहित अन्य चोरी का सामान बरामद किया है। सभी आरोपितों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

चोरी की घटनाओं का खुलासा करने के बाद गिरफ्तार आरोपितों के साथ कोटद्वार पुलिस।

महिला तकनीशियन के अभाव में बेस अस्पताल की मैमोग्राफी लैब शुरू होने में देरी

कोटद्वार का बेस अस्पताल

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : स्तन कैंसर की शुरुआती पहचान के लिए कोटद्वार बेस अस्पताल में स्थापित अत्याधुनिक मैमोग्राफी लैब फिलहाल शुरू नहीं हो पाई है। लैब पूरी तरह तैयार होने के बावजूद महिला तकनीशियन की नियुक्ति न होने से इसका संचालन टल गया है। अस्पताल प्रशासन ने तकनीशियन की तैनाती के लिए स्वास्थ्य निदेशालय को पत्र भेजा है।

अब तक क्षेत्र की महिलाओं को स्तन कैंसर की जांच कराने के लिए दिल्ली के एम्स समेत अन्य बड़े अस्पतालों का सहारा लेना पड़ता था। लंबे समय से क्षेत्र में मैमोग्राफी सुविधा की मांग की जा रही थी, क्योंकि जांच सुविधा के अभाव में कई मामलों में बीमारी का समय पर पता नहीं चल पाता था। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) ने कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) के तहत करीब 1.20 करोड़ रुपये की लागत से बेस अस्पताल परिसर में इमरजेंसी वार्ड के सामने स्थित बेसमेंट में मैमोग्राफी लैब स्थापित की है। इससे पहले भी इसी परिसर में एमआरआई, सीटी स्कैन और एक्स-रे जैसी आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा चुकी हैं।

मई के अंतिम सप्ताह में मैमोग्राफी मशीन और लैब की स्थापना का कार्य पूरा हो गया था, लेकिन तीन सप्ताह से अधिक समय बीत जाने के बाद भी महिला तकनीशियन की नियुक्ति नहीं हो सकी है। इसके चलते मरीजों को इस महत्वपूर्ण सुविधा का लाभ मिलने में देरी हो रही है। बेस अस्पताल के प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉ. विजय सिंह ने बताया कि मैमोग्राफी लैब के संचालन के लिए महिला तकनीशियन की तैनाती आवश्यक है। इसके लिए स्वास्थ्य निदेशालय को पत्र भेजा गया है। तकनीशियन की नियुक्ति होते ही लैब का विधिवत उद्घाटन कर सेवाएं शुरू कर दी जाएंगी।

कूड़ा निस्तारण की स्थायी व्यवस्था की मांग, पार्षदों ने मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : नगर निगम क्षेत्र में कूड़ा निस्तारण की समस्या के स्थायी समाधान की मांग को लेकर पार्षदों ने नाराजगी जताई है। उनका कहना है कि वर्तमान में शहर के सभी 40 वार्डों का कूड़ा गाड़ीघाट स्थित अस्थायी कूड़ा निस्तारण केंद्र में डाला जा रहा है, जिससे आसपास के क्षेत्रों में दुर्गंध और पर्यावरणीय समस्याएं बढ़ रही हैं।

मंगलवार को पार्षद जयप्रकाश ध्यानी और अनिल रावत के नेतृत्व में स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने तहसील पहुंचकर प्रभारी तहसीलदार राजेंद्र सनवाल के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया। ज्ञापन में कहा गया कि नगर निगम क्षेत्र के विस्तार और बढ़ती आबादी के चलते मौजूदा कूड़ा निस्तारण व्यवस्था पर अत्यधिक दबाव पड़ रहा है। पार्षदों ने मांग की कि नगर निगम क्षेत्र में वैज्ञानिक तरीके से नए कूड़ा निस्तारण केंद्र स्थापित किए जाएं, ताकि कूड़े के निस्तारण का भार एक ही स्थान पर न पड़े और सभी वार्डों में स्वच्छता व्यवस्था बेहतर ढंग से संचालित हो सके। उनका कहना था कि शहर की जनसंख्या लगातार बढ़ रही है, ऐसे में भविष्य की जरूरतों को देखते हुए अतिरिक्त कूड़ा निस्तारण केंद्रों की स्थापना समय की मांग है। ज्ञापन में यह भी कहा गया कि यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले समय में कूड़ा प्रबंधन की समस्या और गंभीर रूप ले सकती है। इस अवसर पर पार्षद हिमांशु वर्मा, वीरेंद्र बुड़ाकोटी, दीपक पांडे, अरविंद बनियाल सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

पांच गांवों में 14 घंटे गुल रही बिजली

श्यामपुर। ऊर्जा निगम की लापरवाही से श्यामपुर, कांगड़ी, गाजीवाली, सजनपुर और बाहर पीली में सोमवार देर रात से लेकर मंगलवार दोपहर तक बिजली गुल रही। भीषण गर्मी के बीच करीब 14 घंटे तक बिजली न आने से ग्रामीणों का जीना मुहाल हो गया। सबसे ज्यादा परेशानी मासूम बच्चों और बुजुर्गों को झेलनी पड़ी। सोमवार रात 11:15 बजे अचानक बिजली चली गई जो अगले दिन मंगलवार दोपहर 1:30 बजे तक पूरी तरह बाधित रही। रात के अंधेरे और उमस भरी गर्मी के कारण लोग रातभर सो नहीं सके।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे समस्त अभिलेखों में मेरा नाम बबीता देवी अंकित है, जबकि मेरे आधार कार्ड सं0- 8378 7008 6244 में मेरा नाम बसंती देवी अंकित है। मेरा सही नाम बबीता देवी है, जो कि सत्य व सही है। मैं उक्त आधार कार्ड में अपना सही व सत्य नाम बबीता देवी संशोधित करवाना चाहती हूं।

बबीता देवी पत्नी दर्शन सिंह ग्राम कैन्यूर, पोस्ट थलीसैण, पट्टी चोपडाकोट, तहसील थलीसैण, जिला पौडी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि समस्त अभिलेखों में मेरा नाम कान्ती देवी पत्नी सुरेन्द्र सिंह अंकित है, जबकि मेरे आधार कार्ड सं0- 9875 5500 0303 में मेरा नाम बचुली देवी पत्नी सुरेन्द्र सिंह अंकित है। मेरा सही नाम कान्ती देवी पत्नी सुरेन्द्र सिंह नेगी है। मैं उक्त आधार कार्ड में अपना सही व सत्य नाम कान्ती देवी पत्नी सुरेन्द्र सिंह नेगी संशोधित करवाना चाहती हूं।

कान्ती देवी पत्नी सुरेन्द्र सिह नेगी, ग्राम उडेली/ग्वारी, पोस्ट कुल्याणी, पट्टी चोपडाकोट, तहसील धलीसैण, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।

चाई महोत्सव में बिखरे लोक संस्कृति के रंग,

बेटियों और महिलाओं की प्रस्तुति ने जीता दिल

चाई महोत्सव में सांस्कृतिक प्रस्तुति देतीं स्कूली छात्राएं।

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : विकासखंड जयहरीखाल के ग्राम चाई में आयोजित महोत्सव के दूसरे दिन सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रंगारंग प्रस्तुतियों ने समां बांध दिया। महिलाओं और स्कूली बच्चों ने लोकगीतों एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। साथ ही गांव के समग्र विकास के लिए स्थानीय स्तर पर योजनाएं तैयार करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया।

महोत्सव के दूसरे दिन का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य पूनम नेगी ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि चाई गांव अपनी अभिनव सोच और जनसहभागिता के कारण आज राज्य ही नहीं, बल्कि देशभर में एक मिसाल बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि गांवों के विकास की योजनाएं स्थानीय जरूरतों को ध्यान में रखते हुए ग्रामीणों की सहभागिता से तैयार की जानी चाहिए। ग्राम प्रधान अंजू गुसांई ने कहा कि पहाड़ की प्राकृतिक संपदा और संसाधनों का संरक्षण समय की सबसे बड़ी जरूरत है। उन्होंने कहा कि जल, जंगल और जमीन की रक्षा से ही पहाड़ का अस्तित्व सुरक्षित रह सकता है। पहाड़ी संस्कृति, सामाजिक ताना-बाना और परंपराएं हमारी अमूल्य धरोहर हैं, जिन्हें सहेजने की जिम्मेदारी हम सभी की है। कार्यक्रम में वक्ता सच्चिदानंद बुड़ाकोटी ने कहा कि चाई गांव के लोग सामूहिक सोच और प्रयासों के बल पर विकास की नई इबारत लिख रहे हैं। ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी से गांव में कई सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहे हैं। गोष्ठी के बाद आयोजित सांस्कृतिक संध्या में महिलाओं और स्कूली बच्चों ने गढ़वाली, कुमाऊंनी तथा हिंदी गीतों पर मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। लोक संस्कृति की झलक से सजे कार्यक्रमों को दर्शकों ने खूब सराहा और कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर क्षेत्र पंचायत सदस्य मीनाक्षी बुड़ाकोटी, दीपक बुड़ाकोटी, ग्राम प्रधान अशोक बुड़ाकोटी, डॉ. पदमेश बुड़ाकोटी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

28 जून से शुरू होगा राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान, 4 जुलाई तक घर-घर पहुंचेंगी स्वास्थ्य टीमें

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : राजकीय बेस चिकित्सालय की ओर से 28 जून से 4 जुलाई तक राष्ट्रीय पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान संचालित किया जाएगा। अभियान के तहत पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी। अभियान की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए 25 जून को उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ अभियान की रणनीति और व्यवस्थाओं पर चर्चा की जाएगी। राजकीय बेस चिकित्सालय के प्रमुख अधीक्षक डॉ. विजय सिंह ने बताया कि 27 जून को बूथ कर्मियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा, ताकि टीकाकरण कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से संचालित किया जा सके। उन्होंने बताया कि 28 जून को विभिन्न बूथों पर पोलियो टीकाकरण कार्यक्रम आयोजित होगा। इसके बाद 29 जून से 4 जुलाई तक स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की दवा पिलाएंगी। स्वास्थ्य विभाग ने अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य दिलाएं और अभियान को सफल बनाने में सहयोग करें।

घर पहुंचा चौकी प्रभारी का पार्थिव शरीर, गमगीन हुआ माहौल

ऋषिकेश , ऋषिकेश की शिवपुरी पुलिस चौकी में तैनात चौकी प्रभारी विनोद शर्मा की ड्यूटी से लौटते समय आज सड़क हादसे में मौत हो गई। उनका पार्थिव शरीर उनके पैतृक आवास घमंडपुर रानीपोखरी लाया गया। उनका पार्थिव शरीर उनके घर पहुंचते ही परिजनों में कोहराम मच गया। माता–पिता, पत्नी व बच्चों का रो–रो कर बुरा हाल है। सूचना पाकर सैकड़ो क्षेत्रवासी उनके घर पहुंचे और शोकाकुल परिवार को सांत्वना दी। वहीं, पुलिस के जवानों व अधिकारियों द्वारा विनोद शर्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। जिसके बाद गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। उसके बाद तिरंगे में लपेटकर उनके पार्थिव शरीर को सम्मान के साथ पूर्णानंद घाट, ऋषिकेश के लिए ले जाया गया।

बारिश ने रोकी केदारनाथ यात्रा की रफ्तार

केदारनाथ/फाटा। लगातार बारिश का असर अब केदारनाथ यात्रा पर दिखने लगा है। बीते माह जहां धाम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही थी वहीं खराब मौसम के कारण अब यात्रियों की संख्या कम हो रही है। यात्रा से जुड़े कारोबारियों के अनुसार शुरुआती दिनों में प्रतिदिन करीब 25 हजार श्रद्धालु धाम पहुंच रहे थे। लगातार वर्षा के बाद यह संख्या घटकर सात हजार तक सिमट गई है। मौसम खराब होने से कई श्रद्धालुओं ने यात्रा टाल दी है। बारिश का असर स्थानीय कारोबार पर भी पड़ा है। टेंट संचालकों ने सामान समेटना शुरू कर दिया है। वहीं घोड़ा–खच्चर, डोली और पालकी संचालकों का एक वर्ग भी घर लौटने लगा है। स्थानीय व्यापारी जितेंद्र सिंह ने बताया कि केदारनाथ में रोज शाम को बारिश हो रही है। इससे भूस्खलन और पत्थर गिरने का खतरा बना रहता है। जहां पहले हेलिपैड से मंदिर मार्ग तक यात्रियों की भीड़ रहती थी वहीं अब आवाजाही काफी कम हो गई है। होटल और रेस्टोरेंट कारोबार भी प्रभावित हुआ है।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

विभाग	Electrical (TRD)
टेंडर नं.	T-03-TRD-MB-26-27
कार्य का नाम	मुरादाबाद मंडल के ऋषिकेश स्टेशन पर रैंप के साथ उच्च–स्तरीय प्लेटफॉर्म और एफओबी की व्यवस्था के अनुसार टी.आर.डी. का कार्य।
निविदा जमा करने की अंतिम दिनांक व समय	14.07.2026, 15:00 Hrs.
कार्य की अनुमानित लागत (₹)	₹ 67,89,202.73/- (जीएसटी @18% सहित)
बिड सिक्यूरिटी राशि (₹)	₹ 1,35,800/-
निविदा प्रपत्र मूल्य (₹)	NIL
ऑफर की वैधता (दिन)	60 दिन
कार्य पूरा करने की अवधि	06 माह
वेबसाइट एवं कार्यालय का पता	www.ireps.gov.in, Divisional Railway Manager's Office, Northern Railway, Moradabad

निविदा सूचना सं.: Elect/TRD/MB/2026-27/TN-04 दिनांक: 23.06.2026 2165/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/चर्तुथ द्वारा निम्नलिखित ई–टेन्डर संख्या जिनके बन्द होने की तिथि व समय प्रत्येक सामने अंकित है। जो उसी दिन 16.00 बजे तक प्राप्त किये, जायेगे। निम्नलिखित टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते है। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशी का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नही होगा। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेन्डर संख्या	91-DRM-MB-26-27 Date:- 17.06.2026	95-DRM-MB-26-27 Date:- 22.06.2026
कार्य का नाम	Dewatering arrangement at various LHS in the section of Sr. DEN/IV/MB	Improvement of parking area, increase of PF width by cutting the earthwork and pitching and carryout the work of crossing FOB, etc in phase 2 under ABSS at Kotdwar station under Moradabad Division.
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक	16.07.2026	16.07.2026
टेन्डर क्लोसिंग समय	16:00	16:00
अनुमानित लागत	39,99,976.32	4,79,37,816.35
धरोहर राशि	80,000.00	9,58,800.00
कार्य पूर्ण करने की अवधि	04 माह	08 माह
बिडिंग आरंभ तिथि	02.07.2026	02.07.2026

टेन्डर नं- Sr.DEN-IV/Publication/26-27 दिनांक : 23.06.2026 2154/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

सूचना संख्या 24/2026 दिनांक :- 22.06.2026

क्र. सं.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रू0)	कार्यालय का पता जहाँ से निविदा प्रपत्र जारी किया गया है	बिड सिक्योरिटी	कार्य के पूरा करने की समय अवधि	निविदा प्रपत्र जमा करने तथा खुलने की दिनाँक व समय	वेबसाइट एवं कार्यालय का पता
1.	23/वरिष्ठ मं.वि.अभि./सा./मुरा./2026:– मुरादाबाद डिवीजन के एडीएसटीई/एमबी सेक्शन में एलसी गेट्स के इंटरलॉकिंग के लिए विद्युत कार्य (टीयूवी > 20000)।	14734145.70 (जीएसटी सहित)	विद्युत शाखा, मण्डल रेल प्रबन्धक कार्यालय, मुरादाबाद	294700.00	6 (छ:) माह	निविदाएं दिनांक 14.07.2026 को 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं जो उसी दिन 15:00 बजे खोली जायेंगी।	वेबसाइट www.ireps.gov.in मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, मुरादाबाद

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 2148/2026

संपादकीय

कोचिंग सेंटर या मौत के केंद्र?

कल्पना की जा सकती है कि अपने खून पसीने की कमाई से बच्चों की सुनहरे भविष्य को संवारने चले माता–पिता के मन में उसे वक्त क्या बीती होगी जब व्यवस्थाओं में व्याप्त खामियों के कारण उनके नौनिहाल समय से पहले ही काल के ग्रास बन जाते हैं। लखनऊ के एक कोचिंग सेंटर में लगी आग ने देश भर में गली मोहल्ले में खुले कोचिंग सेंटर की व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े कर दिए हैं। व्यवसायिकता की आड़ में नियम कानून को चंद सिक्कों की खातिर ताक पर रखना हमारे देश में एक साधारण सी बात है। इसी का परिणाम है कि लखनऊकी इस घटना में 14 मासूम छात्र जो अपना भविष्य सवारने के सपने देख रहे थे उनका जीवन ही समाप्त हो गया। यह पूरी तरह से व्यवस्था की खामियां हैं जहां बिना जांच पर के मल्टीस्टोरी बिल्डिंग में सुरक्षा सेफ्टी मानकों की लापरवाही की हदें पर की जाती है। ऐसी आग लगने की घटनाओं ने शिक्षा व्यवस्था और सुरक्षा मानकों पर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। विद्यार्थियों के भविष्य को संवारने का दावा करने वाले अनेक संस्थान ऐसे भवनों में संचालित हो रहे हैं जो सुरक्षा की दृष्टि से उपयुक्त नहीं हैं। संकरे रास्ते, अपर्याप्त आपातकालीन निकास, अग्निशमन उपकरणों की कमी तथा क्षमता से अधिक छात्रों की उपस्थिति किसी भी दुर्घटना को भयावह बना सकती है। ऐसी घटनाएं केवल तकनीकी लापरवाही नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं की उपेक्षा का भी उदाहरण हैं। शिक्षा के नाम पर लाभ कमाने की होड़ में कई संस्थान सुरक्षा नियमों को नजरअंदाज कर देते हैं। परिणामस्वरूप विद्यार्थी और उनके अभिभावक अनावश्यक जोखिम का सामना करते हैं।

सरकार और स्थानीय प्रशासन को नियमित निरीक्षण, कठोर कार्रवाई और सुरक्षा मानकों के सख्त पालन को सुनिश्चित करना चाहिए। वहीं कोचिंग संचालकों को भी यह समझना होगा कि छात्रों की सुरक्षा किसी भी व्यावसायिक लाभ से अधिक महत्वपूर्ण है। आगजनी जैसी घटनाओं से सबक लेकर हमें ऐसी व्यवस्था बनानी होगी जिसमें विद्यार्थियों का जीवन और भविष्य दोनों सुरक्षित रह सकें। अग्निकांड का शिकार बने बच्चे वापस नहीं आ सकते लेकिन उनके इस बलिदान का सरकार या प्रशासन पर भविष्य में कुछ असर होगा, इसकी उम्मीद कम ही नजर आती है। घटना के कुछ दिनों तक प्रशासनिक स्तर पर जरूर कुछ दिशा निर्देश जारी होंगे, लेकिन समय के साथ इस घटना को भी ऐसे ही भुला दिया, जैसे अब तक के विभिन्न हादसों को भुला दिया गया है।

मोदी सरकार में सत्ता,संगठन में बदलाव के संकेतों की राजनीति ?

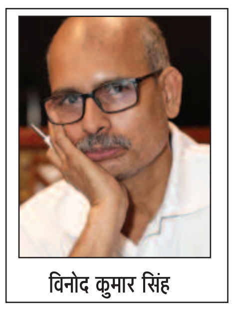

विनोद कुमार सिंह

बदलते राजनीतिक समीकरणों, राज्यसभा चुनावों और भाजपा के विस्तार अभियान के बीच संभावित फेरबदल की पड़ताल...

विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत की ओर सभी राजनीति पंडितओ का एक फिर से आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है।जिसे चर्चा का बाजार फिर से गर्म है।उनका मानना है कि भारतीय राजनीति में कई बार घटनाओं से अधिक महत्वपूर्ण उनके संकेत होते हैं।सत्ता के गलियारों में जब अचानक गतिविधियाँ बढ़ने लगें,संगठनात्मक बैठकों का दौर तेज हो जाए,राज्यों में नेतृत्व परिवर्तन की चर्चाएँ होने लगें,राज्यसभा चुनाव सम्पन्न हो जाएँ और विभिन्न दलों के नेता नई राजनीतिक पारी की तलाश में सत्ताधारी दल की ओर रुख करने लगें,तब अनुभवी राजनीतिक पर्यवेक्षक समझ जाते हैं कि राजनीति किसी बड़े परिवर्तन की पटकथा की भूमिका लिख रही है।आज देश की राजधानी दिल्ली में कुछ ऐसा ही वातावरण दिखाई दे रहा है।केंद्र की मोदी सरकार और भारतीय जनता पार्टी के संगठन को लेकर चल रही चर्चाएँ यह संकेत दे रही हैं कि आने वाले दिनों में सत्ता और संगठन दोनों स्तरों पर महत्व पूर्ण परिवर्तन देखने को मिल सकते हैं।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार अपने तीसरे कार्यकाल के प्रारम्भिक चरण में है।किसी भी सरकार के लिए यह वह समय होता है,जब चुनावी उत्साह धीरे-धीरे प्रशासनिक यथार्थ में बदलता है और राजनीतिक नेतृत्व आगामी वर्षों की रणनीति तैयार करना शुरू करता है।भाजपा की कार्यशैली को देखते हुए यह मानना कठिन नहीं कि पार्टी नेतृत्व 2027 के महत्व पूर्ण विधानसभा चुनावों और 2029 के लोकसभा चुनावों की तैयारी अभी से आरम्भ कर चुका है।यही कारण है कि मंत्रिमंडल विस्तार और संगठनात्मक पुनर्गठन की चर्चाएँ केवल राजनीतिक अटकलें नहीं,बल्कि व्यापक रणनीतिक सोच का हिस्सा प्रतीत होती हैं।हाल में सम्पन्न राज्यसभा चुनावों ने भी राजनीतिक समीकरणों को नई दिशा दी है। भाजपा ने विभिन्न सामाजिक वर्गों,क्षेत्रों और पेशेवर पृष्ठभूमि से आने वाले चेहरों को संसद के उच्च सदन में भेजकर यह संकेत दिया है कि पार्टी भविष्य की राजनीति के लिए नया नेतृत्व तैयार कर रही है। भारतीय राजनीति में राज्यसभा केवल विधायी सदन नहीं,बल्कि अनेक बार केंद्रीय नेतृत्व की प्रयोगशाला भी रही है।अतीत में अनेक ऐसे नेता रहे हैं,जिन्हें पहले राज्यसभा के माध्यम से राष्ट्रीय राजनीति में स्थापित किया गया और बाद में मंत्रिपरिषद में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ सौंपी गईं। इसलिए यह स्वाभाविक है कि राज्यसभा में पहुँचे कुछ नए चेहरे भविष्य के संभावित केंद्रीय मंत्री के रूप में भी देखे जा रहे हैं ।राजनीतिक चर्चाओं का एक महत्वपूर्ण पहलू उन नेताओं को लेकर भी है जिन्होंने हाल के वर्षों में विभिन्न दलों को छोड़कर भाजपा का दामन थामा है।भारतीय राजनीति में दल-बदल कोई नई घटना नहीं है,किन्तु जब सत्तारूढ़ दल में प्रभावशाली नेता शामिल होते हैं तो उनके राजनीतिक भविष्य को लेकर अटकलें तेज होना स्वाभाविक है।भाजपा नेतृत्व के सामने चुनौती यह है कि वह पुराने कार्यकताओं की अपेक्षाओं, नए नेताओं की महत्वाकांक्षाओं और क्षेत्रीय राजनीतिक आवश्यकताओं के बीच संतुलन स्थापित करे।यही कारण है कि मंत्रिमंडल और संगठन में संभावित बदलाव को केवल प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं,बल्कि राजनीतिक संतुलन साधने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है।इन चर्चाओं के बीच हाल में एक केंद्रीय राज्य मंत्री के इस्तीफे को राष्ट्रपति द्वारा स्वीकार किए जाने की घटना ने भी राजनीतिक हलकों में नई जिज्ञासा पैदा कर दी है।भारतीय राजनीति में हर इस्तीफा केवल व्यक्तिगत निर्णय नहीं माना जाता।कई बार वह व्यापक राजनीतिक पुनर्संरचना का संकेत भी बन जाता है।यद्यपि आधिकारिक रूप से इसे सामान्य संवैधानिक प्रक्रिया बताया गया है,फिर भी राजनीतिक विश्लेषक इसे संभावित फेरबदल से जोड़कर देख रहे हैं।दिल्ली की राजनीति में अक्सर घटनाओं का महत्व उनके तत्काल प्रभाव से नहीं,बल्कि उनके दूरगामी संकेतों से निर्धारित होता है।भाजपा की राजनीति का एक विशिष्ट पक्ष यह रहा है कि वह सरकार और संगठन दोनों को समान महत्व देती है।अटलबिहारी वाजपेयी के दौर से लेकर नरेन्द्र मोदी के वर्तमान नेतृत्व तक पार्टी ने समय-समय पर नेताओं को सरकार से संगठन और संगठन से सरकार में भेजकर नई भूमिकाएँ सौंपी हैं। इस दृष्टि से संभावना व्यक्त की जा रही है कि कुछ वर्तमान मंत्री संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ संभाल सकते हैं,जबकि संगठन में सक्रिय कुछ नेताओं को सरकार में अवसर मिल सकता है।आगामी वर्षों में जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं,वहाँ भाजपा संगठन को और अधिक सक्रिय तथा प्रभावी बनाने की आवश्यकता महसूस कर रही है।इसलिए अनुभवी नेताओं को संगठनात्मक जिम्मेदारी सौंपना पार्टी की रणनीति का हिस्सा हो सकता है। मंत्रिमंडल विस्तार की चर्चा के साथ-साथ प्रदर्शन का प्रश्न भी स्वाभाविक रूप से उठता है। प्रत्येक सरकार अपने मंत्रियों का मूल्यांकन करती है और राजनीतिक प्रभाव,प्रशासनिक क्षमता तथा जनस्वीकार्यता के आधार पर जिम्मेदारियों का पुनर्वितरण करती है।मोदी सरकार की कार्यशैली को देखते हुए यह माना जाता है कि प्रदर्शन और राजनीतिक उपयोगिता दोनों को महत्व दिया जाता है।ऐसे में कुछ मंत्रियों की भूमिका बढ़ सकती है।कुछ के विभाग बदल सकते हैं और कुछ नए चेहरे सरकार में स्थान पा सकते हैं।यह भी संभव है कि युवाओं,महिलाओं, अनुसूचित जाति-जनजाति समुदायों तथा क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व को ध्यान में रखते हुए मंत्रिमंडल में नई सामाजिक और राजनीतिक संतुलनकारी संरचना दिखाई दे। सहयोगी दलों की भूमिका भी इस पूरी प्रक्रिया में महत्वपूर्ण है। वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों में एनडीए केवल भाजपा का विस्तार नहीं,बल्कि अनेक क्षेत्रीय आकांक्षाओं का गठबंधन भी है। इसलिए यदि मंत्रिमंडल में फेरबदल होता है तो सहयोगी दलों की अपेक्षाओं और उनके राजनीतिक महत्व को भी ध्यान में रखा जा सकता है।गठबंधन राजनीति की सफलता केवल बहुमत के आंकड़ों पर नहीं,बल्कि सम्मानजनक भागीदारी और राजनीतिक विश्वास पर भी निर्भर करती है।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की राजनीतिक शैली का अध्ययन करने वाले जानते हैं कि वे अपने निर्णयों को अंतिम क्षण तक गोपनीय रखने में विश्वास करते हैं।पिछले वर्षों में हुए मंत्रिमंडल विस्तारों ने यही सिद्ध किया है कि राजनीतिक विश्लेषकों की अनेक भविष्यवाणियाँ अंतिम सूची आने तक केवल अटकलें ही बनी रहती हैं।यही कारण है कि आज दिल्ली में चर्चाएँ बहुत हैं,संकेत अनेक हैं, किंतु निश्चित जानकारी बहुत कम है।बदलते राजनीतिक समीकरणों, राज्यसभा चुनावों और भाजपा के विस्तार अभियान के बीच संभावित फेरबदल की पड़ताल करने पर यह स्पष्ट दिखाई देता है कि भाजपा और केंद्र सरकार दोनों आने वाले राजनीतिक चरण के लिए स्वयं को तैयार कर रहे हैं।भारतीय राजनीति में परिवर्तन की आहट हमेशा पहले सुनाई देती है और घोषणा बाद में होती है।वर्तमान परिस्थितियाँ भी कुछ ऐसा ही संकेत दे रही हैं।सत्ता और संगठन की इस नई बिसात पर कौन आगे बढ़ेगा,कौन नई भूमिका में दिखाई देगा,कौन मंत्रिमंडल में स्थान पाएगा और कौन संगठन की जिम्मेदारी संभालेगा,इसका अंतिम निर्णय तो भाजपा नेतृत्व ही करेगा। लेकिन इतना निश्चित है कि आने वाले दिनों में दिल्ली की राजनीति कुछ नए चेहरे,नई जिम्मेदारियाँ और नए राजनीतिक संदेश लेकर सामने आ सकती है।भारतीय लोकतंत्र की यही विशेषता है कि यहाँ सत्ता केवल शासन नहीं करती, बल्कि निरंतर स्वयं को पुनर्गठित भी करती रहती है।संभवतः देश की राजनीति इसी पुनर्गठन के एक नए दौर की दहलीज पर खड़ी है।

सुरक्षा मानकों पर सवालः आखिर कब रुकेंगी ऐसी दर्दनाक अग्नि दुर्घटनाएं?

सुनील कुमार महला

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के अलीगंज क्षेत्र में 22 जून 2026 को एक दो-मंजिला व्यावसायिक भवन में लगी भीषण आग ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। उपलब्ध जानकारी के अनुसार इस दर्दनाक हादसे में तीन महिलाओं सहित 15 लोगों की मृत्यु हो गई, जबकि सात अन्य घायल बताए जा रहे हैं। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार मृतकों में अधिकांश विद्यार्थी थे, जो भवन की दूसरी मंजिल पर संचालित डिजिटल लाइब्रेरी और एनिमेशन सेंटर में अध्ययन कर रहे थे। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आग ग्राउंड फ्लोर पर स्थित एक पेट शॉप में शॉर्ट सर्किट के कारण लगी और कुछ ही मिनटों में पूरे भवन में फैल गई। यह भी सामने आया है कि प्रवेश द्वार थंब इम्प्रेशन प्रणाली से संचालित था, जो आपातकालीन स्थिति में समय पर नहीं खुल पाया। साथ ही, भवन में आपातकालीन निकास(एमरजेंसी एक्जिट) मार्ग की पर्याप्त व्यवस्था नहीं थी और भवन की सीढ़ियां भी अत्यंत संकरी थीं। यदि भवन का निर्माण स्वीकृत नक्शे के विपरीत किया गया था, अग्नि सुरक्षा मानकों की अनदेखी की गई थी, फायर सेफ्टी उपकरण पर्याप्त नहीं थे तथा हाइड्रेंट सिस्टम भी काम नहीं कर रहा था, तो यह निश्चित रूप से घोर लापरवाही का ही मामला कहा जा सकता है। इस दुखद घटना पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, बसपा प्रमुख मायावती और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव सहित अनेक नेताओं ने गहरा शोक व्यक्त किया है।

हम सभी यह बात अच्छी तरह से जानते हैं कि आज कोचिंग संस्थानों, पुस्तकालयों, विद्यालयों और विभिन्न प्रशिक्षण केंद्रों में बड़ी संख्या में विद्यार्थी अध्ययन करते हैं व प्रशिक्षण लेते हैं। ऐसे में आगजनी जैसी दुर्घटनाओं से बचाव के लिए सुरक्षा इंतजाम अत्यंत महत्वपूर्ण और अनिवार्य हैं। प्रत्येक संस्थान में अग्निशमन यंत्र, फायर अलार्म, धुआँ संवेदक (स्मोक डिटेक्टर) तथा आपातकालीन निकास मार्ग की समुचित व्यवस्था तो होनी ही चाहिए। विद्युत तारों और उपकरणों की नियमित जांच के साथ-साथ विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों को आपातकालीन परिस्थितियों में सुरक्षित निकासी का प्रशिक्षण भी समय-समय पर दिया जाना चाहिए। बच्चों और विद्यार्थियों की सुरक्षा में तो सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए, जैसा कि बच्चे तो किसी भी देश का भविष्य होते हैं। वैसे बच्चों की ही नहीं,हर किसी की सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए, क्यों कि जान हर किसी की कीमती होती है। अग्नि सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन, नियमित निरीक्षण तथा समय-समय पर मॉक ड्रिल आयोजित करना आज समय की आवश्यकता हो गई है। सतर्कता और उचित तैयारी के माध्यम से अनेक बहुमूल्य जीवन बचाए जा सकते हैं।

पाठक जानते होंगे कि पिछले कुछ वर्षों में देश में आगजनी की कई बड़ी घटनाओं ने जन-धन की भारी हानि पहुंचाई है और अग्नि सुरक्षा व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। दो साल पहले यानी कि वर्ष 2024 में दिल्ली के एक शिशु अस्पताल में लगी आग में कई नवजातों की मृत्यु हुई थी। इसी प्रकार से वर्ष 2025 में हैदराबाद के गुलजार हौज क्षेत्र में भीषण आग लगने से 17 लोगों की जान चली गई। इसी अवधि में जयपुर के एसएमएस अस्पताल के आईसीयू में लगी आग ने भी कई परिवारों को गहरे दुख में डाल दिया। वर्ष 2026 में ओडिशा के कटक स्थित एससीबी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के आईसीयू में आग लगने से अनेक मरीजों की मृत्यु हुई। वहीं लखनऊ के इस प्रशिक्षण केंद्र में हुई दुर्घटना ने एक बार फिर स्पष्ट कर दिया है कि अस्पतालों, शिक्षण संस्थानों, व्यावसायिक भवनों और औद्योगिक प्रतिष्ठानों में अग्नि सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन, नियमित निरीक्षण तथा प्रभावी आपातकालीन निकासी व्यवस्था अत्यंत आवश्यक है।

आगजनी की घटनाओं को रोकने के लिए अग्नि सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन करना आवश्यक है। भवनों, अस्पतालों, विद्यालयों, बाजारों और औद्योगिक इकाइयों में अग्निशमन यंत्र, धुआँ संवेदक, फायर अलार्म तथा आपातकालीन निकास मार्ग की उचित व्यवस्था होनी चाहिए। विद्युत तारों और उपकरणों की नियमित जांच कर शॉर्ट सर्किट की संभावना को कम किया जा सकता है। गैस सिलेंडरों तथा अन्य ज्वलनशील पदार्थों का सुरक्षित भंडारण भी आवश्यक है। लोगों को समय-समय पर अग्नि सुरक्षा प्रशिक्षण और मॉक ड्रिल के माध्यम से जागरूक किया जाना चाहिए। साथ ही भवन निर्माण के दौरान निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन तथा संबंधित विभागों द्वारा नियमित निरीक्षण सुनिश्चित किया जाए, तो आगजनी की घटनाओं और उनसे होने वाली जन-धन की हानि को काफी हद तक रोका जा सकता है। मानव जीवन अमूल्य है और उसकी सुरक्षा के प्रति किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होनी चाहिए।

युद्धविराम से आगेः क्या विश्व अहिंसा की ओर बढ़ेगा?

ललित गर्ग

इजरायल के लिए यह स्थिति राजनीतिक रूप से असहज है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू लंबे समय से ईरान की परमाणु और मिसाइल क्षमताओं को अपने देश के अस्तित्व के लिए खतरा बताते रहे हैं। इजरायल को आशा थी कि युद्ध के माध्यम से ईरान की सामरिक क्षमता को निर्णायक रूप से कमजोर किया जाएगा।

अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच हाल ही में हुआ युद्धविराम ऐसे समय में सामने आया है, जब पश्चिम एशिया युद्ध की लपटों में घिरकर वैश्विक स्थिरता के लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुका था। कई सप्ताह तक चले संघर्ष ने क्षेत्र को ऐसे ज्वालामुखी में बदल दिया था, जिसकी प्रत्येक विस्फोटक घटना विश्व अर्थव्यवस्था को झकझोर रही थी। तेल बाजारों में भारी उथल-पुथल थी, निवेशकों में घबराहट बढ़ रही थी और वैश्विक मंदी की आशंकाएं गहराने लगी थीं। ऐसे में युद्धविराम ने विश्व को तत्काल राहत तो दी है, लेकिन सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या यह समझौता स्थायी शांति की नींव बनेगा या केवल अगले युद्ध से पहले का एक अस्थायी विराम सिद्ध होगा? इतिहास साक्षी है कि युद्धविराम और शांति समझौते तभी टिकाऊ सिद्ध होते हैं, जब उनके पीछे केवल सामरिक विवशता नहीं, बल्कि राजनीतिक इच्छाशक्ति, पारस्परिक विश्वास और मानवता के प्रति प्रतिबद्धता भी हो। अन्यथा वे केवल संघर्षों के बीच का अंतराल बनकर रह जाते हैं। पश्चिम एशिया का इतिहास ऐसे असंख्य समझौतों का गवाह है, जो कागजों पर तो बने, लेकिन जमीन पर टिक नहीं सके।

इस युद्ध के परिणामों का विश्लेषण किया जाए तो सबसे बड़ा लाभार्थी ईरान दिखाई देता है। अमेरिका और इजरायल के सैन्य दबाव, आर्थिक प्रतिबंधों और अंतरराष्ट्रीय अलगाव के बावजूद तेहरान न केवल अपने राजनीतिक ढांचे को बचाने में सफल रहा, बल्कि उसने अपने विरोधियों को वार्ता की मेज पर आने के लिए भी बाध्य किया। ईरान अब अपने नागरिकों के समक्ष यह दावा कर सकता है कि उसने दुनिया की सबसे शक्तिशाली सैन्य ताकतों के सामने घुटने नहीं टेके। ईरानी नेतृत्व इसे प्रतिरोध की जीत के रूप में प्रस्तुत करेगा। दूसरी ओर इस संघर्ष ने अमेरिका की अजेयता की छवि को भी चुनौती दी है। वियतनाम, इराक और अफगानिस्तान के बाद यह एक और अवसर है, जिसने यह स्पष्ट किया कि केवल सैन्य शक्ति राजनीतिक परिणाम सुनिश्चित नहीं कर सकती। वाशिंगटन ने दबाव बनाया, अपनी सैन्य क्षमता का प्रदर्शन किया, लेकिन अंततः उसे वार्ता और समझौते का रास्ता अपनाना पड़ा। इससे यह संदेश गया है कि इक्कीसवीं सदी की दुनिया अब केवल शक्ति संतुलन से नहीं, बल्कि संवाद, कूटनीति और बहुपक्षीय सहयोग से संचालित होगी।

इजरायल के लिए यह स्थिति राजनीतिक रूप से असहज है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू लंबे समय से ईरान की परमाणु और मिसाइल क्षमताओं को अपने देश के अस्तित्व के लिए खतरा बताते रहे हैं। इजरायल को आशा थी कि युद्ध के माध्यम से ईरान की सामरिक क्षमता को निर्णायक रूप से कमजोर किया जाएगा। किंतु युद्धविराम के बाद ईरान स्वयं को विजेता के रूप में प्रस्तुत कर रहा है। इससे इजरायल के भीतर यह बहस और तीव्र हो सकती है कि क्या क्षेत्रीय सुरक्षा चिंताओं की तुलना में महाशक्तियों ने अपने सामरिक हितों को अधिक महत्व दिया। भारत के लिए यह समझौता विशेष महत्व रखता है। भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए पश्चिम एशिया पर अत्यधिक निर्भर है। युद्ध की स्थिति में तेल आपूर्ति बाधित होने, समुद्री व्यापार मार्गों पर संकट उत्पन्न होने और कीमतों में वृद्धि की आशंका ने भारत की चिंता बढ़ा दी थी। युद्धविराम से तेल कीमतों पर दबाव कम होगा, महंगाई नियंत्रित रहेगी और खाड़ी देशों में कार्यरत लाखों भारतीयों की सुरक्षा संबंधी चिंताएं भी घटेंगी। लेकिन भारत का महत्व केवल एक उपभोक्ता राष्ट्र के रूप में नहीं है, वह आज वैश्विक शांति के एक नैतिक प्रवक्ता के रूप में भी उभर रहा है।

दरअसल, यह युद्ध एक बड़े प्रश्न को जन्म देता है-क्या मानव सभ्यता युद्धों के सहारे अपने भविष्य का निर्माण कर सकती है? आज महाशक्तियों ने ऐसी विनाशकारी सैन्य क्षमता अर्जित कर ली है कि किसी भी देश की एक छोटी-सी भूल संपूर्ण मानवता को विनाश की ओर धकेल सकती है। परमाणु हथियारों, जैविक अस्त्रों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित युद्ध प्रणालियों के युग में युद्ध अब केवल सीमाओं का प्रश्न नहीं रह गया है, वह समूची मानव सभ्यता के अस्तित्व का प्रश्न बन गया है। यही कारण है कि आज दुनिया को शक्ति की नहीं, शांति की राजनीति की आवश्यकता है। हिंसा, युद्ध, आतंकवाद और शस्त्रीकरण की प्रतिस्पर्धा ने मानवता को भय, अविश्वास और असुरक्षा के गर्त में धकेल दिया है। यदि विश्व को बचाना है, तो उसे निःशस्त्रीकरण, अहिंसा, सह-अस्तित्व और संवाद की दिशा में आगे बढ़ना ही होगा।

इस संदर्भ में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण बन जाती है। भारत ने सदैव विश्व को शांति, करुणा और अहिंसा का संदेश दिया है। महात्मा गांधी ने कहा था, 'आंख के बदले आंख पूरे विश्व को अंधा बना देगी।' आज यह कथन पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो उठा है। भारत की सांस्कृतिक चेतना 'वसुधैव कुटुम्बकम्' के सिद्धांत पर आधारित रही है, जो सम्पूर्ण विश्व को एक परिवार मानती है। यही कारण है कि भारत ने सदैव युद्ध के स्थान पर संवाद और टकराव के स्थान पर सहमति का समर्थन किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी विश्व के अनेक मंचों पर स्पष्ट रूप से कहा है कि 'यह युग युद्ध का नहीं है।' संयुक्त राष्ट्र, जी-20, ब्रिक्स तथा अन्य अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत ने बार-बार इस बात पर बल दिया है कि किसी भी समस्या का समाधान युद्ध नहीं, बल्कि वार्ता है। यदि अंततः देशों को बातचीत की मेज पर ही लौटना पड़ता है, तो युद्ध की भयावह कीमत चुकाने की आवश्यकता ही क्या है?

भारत की विदेश नीति आज एक नए स्वरूप में सामने आ रही है। रूस-यूक्रेन युद्ध हो, इजरायल-फिलिस्तीन संघर्ष हो अथवा पश्चिम एशिया का वर्तमान संकट-भारत ने किसी पक्ष विशेष का अंध समर्थन करने के बजाय संतुलन, संवाद और शांतिपूर्ण समाधान की नीति अपनाई है। यही संतुलित दृष्टिकोण भविष्य में भारत को वैश्विक मध्यस्थ की भूमिका निभाने की दिशा में अग्रसर कर सकता है। लेकिन केवल सरकारें ही शांति स्थापित नहीं कर सकतीं। शांति का आधार समाजों, संस्कृतियों और मनुष्यों के भीतर निर्मित होता है। जब तक राष्ट्रवाद आक्रामकता का रूप लेता रहेगा, जब तक हथियार उद्योग युद्धों को लाभ का साधन बनाकर चलता रहेगा और जब तक राजनीतिक नेतृत्व युद्ध को लोकप्रियता अर्जित करने के उपकरण के रूप में उपयोग करता रहेगा, तब तक स्थायी शांति का सपना अधूरा रहेगा।

आज आवश्यकता इस बात की है कि विश्व समुदाय कुछ ठोस कदम उठाए-परमाणु एवं सामरिक हथियारों की होड़ को नियंत्रित किया जाए, संयुक्त राष्ट्र की भूमिका को अधिक प्रभावी बनाया जाए, अंतरराष्ट्रीय विवादों के समाधान के लिए स्थायी संवाद तंत्र विकसित किए जाएं और शिक्षा प्रणालियों में शांति एवं अहिंसा के मूल्यों को शामिल किया जाए। साथ ही युद्ध अर्थव्यवस्था के स्थान पर मानव कल्याण आधारित विकास मॉडल को प्राथमिकता दी जाए। अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच हुआ युद्धविराम निश्चय ही राहत का क्षण है, किंतु इसे स्थायी शांति में परिवर्तित करना अभी शेष है। यदि यह केवल सामरिक पुनर्संरचना का चरण बनकर रह गया, तो भविष्य में और भी अधिक विनाशकारी संघर्षों का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। लेकिन यदि विश्व समुदाय इस अवसर को आत्ममंथन का क्षण मानकर अहिंसा, संवाद और सह-अस्तित्व की नई वैश्विक संस्कृति विकसित करता है, तो यह युद्धविराम मानव इतिहास के एक नए अध्याय का प्रारंभ भी बन सकता है। दुनिया को आज युद्ध का अंधेरा नहीं, शांति का उजाला चाहिए। मानवता के समक्ष यही सबसे बड़ी चुनौती है और यही सबसे बड़ा अवसर भी।

संक्षिप्त समाचार

कतर के गैस संयंत्र पर धमाका, 54 लोग गंभीर रूप से घायल, 18 लापता की तलाश जारी

दोहा , एजेंसी। कतर के प्रमुख प्राकृतिक गैस निर्यात टर्मिनल में रविवार को भीषण विस्फोट हुआ। इस विस्फोट के बाद लगी आग में 54 लोग घायल हो गए और 18 लोग अभी भी लापता हैं। ईरान युद्ध के दौरान ईरानी हमले में इस गैस प्लांट को भारी नुकसान हुआ था। रविवार को इस प्लांट को मरम्मत के बाद फिर से चालू करने की कोशिश की गई। इसी कोशिश में विस्फोट हुआ। यह

विस्फोट रास लाफान औद्योगिक क्षेत्र में हुआ, जो कतर के प्राकृतिक गैस उद्योग का प्रमुख केंद्र है। इस घटना से वैश्विक ऊर्जा बाजारों में और अधिक अस्थिरता पैदा होने की आशंका जताई जा रही है, क्योंकि कतर दुनिया के सबसे बड़े प्राकृतिक गैस उत्पादकों में से एक है। ईरान द्वारा हॉर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण कड़ा किए जाने के कारण कतर अपने ग्राहकों तक गैस की खेप नहीं भेज पा रहा था। इसी वजह से कतर ने अपनी गैस उत्पादन गतिविधियों को अस्थायी रूप से बंद कर दिया था। हालांकि, युद्ध को स्थायी रूप से समाप्त करने को लेकर जारी वार्ताओं के बीच ईरान द्वारा जलडमरूमध्य पर अपनी पकड़ कुछ ढीली करने के बाद कतर ने अपने निर्यात टर्मिनल को फिर से चालू करने की प्रक्रिया शुरू की थी। रविवार रात इसी प्रक्रिया के दौरान बरजान गैस आपूर्ति संयंत्र में विस्फोट हुआ और आग लग गई। सरकारी स्वामित्व वाली कंपनी कतर एनर्जी ने इस घटना की पुष्टि की है। विस्फोट के बाद हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है। शुरुआत जांच के बाद अधिकारियों ने बताया था कि केवल कुछ लोग ही घायल हुए हैं। हालांकि, कई घंटे बाद कतर के गृह मंत्रालय ने कहीं अधिक गंभीर स्थिति का खुलासा करते हुए बताया कि इस हादसे में 54 लोग घायल हुए हैं।

नेपाल के बारा में यात्री बस पलटी 11 यात्री हुए घायल

काठमांडू, एजेंसी। रक्सौल के नितनपुर चौक पर एक यात्री बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिससे 11 लोग घायल हो गए। इनमें से एक की हालत गंभीर है। सभी यात्री सप्तरी और पर्सा जिले के हैं। हादसे के बाद बस के चालक ने मौके से भाग लिया। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। नेपाल के बारा जिले के जीतपुरसिमरा उपमहानगरपालिका–10 स्थित नितनपुर चौक पर रविवार सुबह एक यात्री बस दुर्घटनाग्रस्त होकर सड़क पर पलट गई, इससे 11 यात्री घायल हो गए। घायलों में एक व्यक्ति की हालत गंभीर बताई जा रही है। सभी नेपाल के सप्तरी व पर्सा जिले के रहने वाले हैं।हादसे के बाद चालक मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश जारी है। पुलिस के अनुसार, वीरगंज से सप्तरी के राजविराज की ओर जा रही यात्री बस रविवार सुबह करीब 11 बजे वीरगंज–पथलैया सड़क खंड के नितनपुर चौक के समीप एक अन्य वाहन को ओवरटेक करने के दौरान अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई। घायलों को तत्काल विभिन्न अस्पतालों में भेजा गया। दुर्घटना के बाद क्षतिग्रस्त बस को हटाकर इलाका पुलिस कार्यालय सिमरा के नियंत्रण में रखा गया।

ऑस्ट्रेलिया में बर्ड फ्लू की पुष्टि, वन्यजीवों पर खतरा

केनबरा, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया में घातक एच5एन1 बर्ड फ्लू के पहले मामले की आधिकारिक रूप से पुष्टि हो गई है। शनिवार को पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया में पाए गए एक ब्राउन स्कुआ समुद्री पक्षी में इस वायरस की मौजूदगी की पुष्टि की गई। यह समुद्री पक्षी पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के पर्थ शहर से लगभग 700 किलोमीटर दक्षिण–पूर्व स्थित केप ले ग्रांड नेशनल पार्क के निकट पाया गया था। इसी क्षेत्र में मिले एक अन्य समुद्री पक्षी, साउदर्न जायंट पेट्रेल, के भी इस वायरस से संक्रमित होने की आशंका जताई गई है। रुआती जांच के बाद दोनों पक्षियों से लिए गए नमूनों को वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान संगठन भेजे गए, जहां एच5एन1 वायरस की पुष्टि की गई। विशेषज्ञों का मानना है कि इस वायरस ने दुनिया के अन्य महाद्वीपों में वन्यजीव आबादी को भारी नुकसान पहुंचाया है और ऑस्ट्रेलिया में इसकी मौजूदगी देश के पक्षियों और वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए एक लंबी चुनौती की शुरुआत हो सकती है। एवियन इन्फ्लूएंजा वायरस हजारों वर्षों से मौजूद हैं और अधिकांश मामलों में पक्षियों में कोई गंभीर बीमारी नहीं पैदा करते। हालांकि, वर्ष 1996 में इन वायरसों में से एक ने विकसित होकर गंभीर बीमारी पैदा करने की क्षमता हासिल कर ली। इसके बाद से एचपीएआई एच5एन1 वायरस पोल्ट्री उद्योग के लिए बड़ा खतरा बन गया। दुनिया के कुल पक्षियों में लगभग 70 प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाली मुर्गियां इस वायरस का सबसे ज्यादा शिकार बन चुकी हैं।

स्विट्ज़रलैंड में अमेरिका-ईरान शांति वार्ता अधर में अटकी! ईरानी प्रतिनिधिमंडल का वॉकआउट

बर्न, एजेंसी। मध्य पूर्व में शांति बहाली और तनाव कम करने के उद्देश्य से स्विट्ज़रलैंड में चल रही अमेरिका-ईरान की बेहद संवेदनशील कूटनीतिक वार्ता में एक अप्रत्याशित मोड़ आ गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा सोशल मीडिया पर ईरान को दी गई सीधी सैन्य चेतावनी के बाद, ईरानी प्रतिनिधिमंडल बैठक बीच में ही छोड़कर बाहर निकल गया। इस घटना के बाद से यह अटकलें तेज हो गई हैं कि दोनों देशों के बीच की यह नाजुक शांति वार्ता पूरी तरह पटरी से उतर चुकी है। बैठक स्थल से सामने आए एक वीडियो फुटेज ने कूटनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है। वीडियो में साफ दिख रहा है कि चर्चा के बीच ही ईरानी अधिकारियों का दल कमरे से बाहर निकल जाता है। इस दौरान कमरे में मौजूद अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ मूकदर्शक बनकर देखते रह गए।

बातचीत किस बारे में थी : यह बातचीत मध्य पूर्व में तनाव कम करने के चल रहे प्रयासों का हिस्सा थी और 14-सूत्रीय समझौता ज्ञापन के तहत आयोजित की गई थी। खबरों के अनुसार, वार्ताकारों ने कई अहम मुद्दों पर घंटों चर्चा की, जिनमें लेबनान में संघर्ष विराम बनाए रखना, होर्मुज जलडमरूमध्य से आवाजाही की स्वतंत्रता सुनिश्चित करना और

भविष्य में परमाणु समझौते की संभावना तलाशना शामिल था।

खबरों के मुताबिक, दोनों पक्ष क्षेत्र में और अस्थिरता को रोकने के उद्देश्य से तकनीकी और राजनीतिक उपायों पर विचार कर रहे थे। चर्चा का मुख्य केंद्र लेबनान था, जहां अधिकारियों ने दक्षिणी लेबनान के कुछ हिस्सों में जारी सैन्य गतिविधियों के बावजूद मौजूदा संघर्ष विराम को मजबूत करने के तरीकों की समीक्षा की। प्रतिभागियों ने तनाव बढ़ने से रोकने और पिछले समझौतों के पालन में सुधार के तरीकों पर भी विचार किया।

क्या ईरानी प्रतिनिधिमंडल ने हाथ मिलाने की योजना को ठुकरा दिया : औपचारिक चर्चा शुरू होने से पहले, आयोजकों ने दोनों देशों के प्रतिनिधियों के बीच प्रतीकात्मक रूप से हाथ मिलाने और समूह फोटो खिंचवाने की योजना बनाई थी। हालांकि, विदेश मंत्री अब्बास अरागची और मुख्य वार्ताकार मोहम्मद बाघेरी गालिबाफ सहित ईरानी वार्ताकारों ने इसमें भाग लेने से इनकार कर दिया।

खबरों के अनुसार, ईरानी अधिकारियों ने प्रस्तावित फोटो सेशन को गंभीर राजनयिक बातचीत के बजाय प्रचार का एक जरिया माना। बैठक स्थल के वीडियो फुटेज में अरागची को उस कमरे में प्रवेश करते हुए दिखाया गया जहां जेडी वेंस, अमेरिकी दूत स्टीव विटकोफ और अन्य अमेरिकी अधिकारी मौजूद थे। अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के साथ बातचीत करने के बजाय, अरागची ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से हाथ मिलाकर अभिवादन किया और कुछ ही क्षणों बाद वहां से चले गए।

ट्रंप ने क्या कहा : ट्रंप ने लेबनान में हिजबुल्लाह की गतिविधियों को लेकर तेहरान को कड़ी चेतावनी दी। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में, ट्रंप ने मांग की कि ईरान हिजबुल्लाह पर लगाम लगाए और चेतावनी दी कि ऐसा न करने पर अमेरिका की ओर से नई सैन्य कार्रवाई हो सकती है। ये टिप्पणियां उस समय आईं जब बातचीत चल ही रही थी, जिससे वार्ता में अनिश्चितता का एक नया पहलू जुड़ गया। ट्रंप ने लिखा, 'ईरान को लेबनान में अपने भारी-भरकम पैसे पाने वाले प्रॉक्सी (प्रतिनिधियों) को गड़बड़ी फैलाने से तुरंत रोकना चाहिए। अगर वे ऐसा नहीं करते हैं, तो हम ईरान पर फिर से बहुत ज़ोरदार हमला करेंगे, ठीक वैसे ही जैसे हमने पिछले हफ़्ते किया था, बल्कि उससे भी ज़्यादा ज़ोरदार!!!'

बाद में ईरानी मीडिया ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल के जाने का फ़ैसला राष्ट्रपति की टिप्पणियों से जुड़ा था, जिसे तेहरान के अधिकारियों ने कूटनीतिक पहल के बजाय एक धमकी के तौर पर देखा। ईरानी मीडिया की रिपोर्टों से पता चला कि ट्रंप की टिप्पणियों के बाद बातचीत करने वालों ने अमेरिकी पक्ष के सामने औपचारिक रूप से अपनी आपत्तियां ज़ाहिर कीं। हालांकि किसी भी पक्ष ने आधिकारिक तौर पर बातचीत के विफल होने की घोषणा नहीं की है, लेकिन इस घटना ने नए सवाल खड़े कर दिए हैं कि क्या बढ़ती बयानबाज़ी के बीच यह नाजुक कूटनीतिक गति बनी रह पाएगी।

शिकागो शहर में गोलीबारी में सात लोगों की मौत, कई घायल; ट्रंप ने दोहराई सैन्य हस्तक्षेप की मांग

शिकागो , एजेंसी। अमेरिका के शिकागो शहर में सप्ताहांत के दौरान हुई गोलीबारी की कई घटनाओं में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई, जबकि 38 अन्य घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, ये घटनाएं शुक्रवार शाम से शुरू हुईं। इन घटनाओं के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने देश के तीसरे सबसे बड़े शहर में सैन्य हस्तक्षेप की अपनी मांग दोहराई है। डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, 'गवर्नर प्रिट्जकर मुझसे मदद क्यों नहीं मांग रहे हैं? मैं एक महीने में शिकागो को सुरक्षित शहर बना सकता हूं। एक साल में यह सबसे सुरक्षित शहरों में शामिल होगा।' इलिनॉय के गवर्नर जे.बी. प्रिट्जकर के कार्यालय ने इस पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। प्रिट्जकर वर्ष 2028 के संभावित डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति पद के दावेदार माने जाते हैं और वे पहले भी ट्रंप की सैन्य हस्तक्षेप संबंधी मांगों को खारिज कर चुके हैं। ट्रंप के कार्यकाल में न्यू ऑरलियन्स, वॉशिंगटन डीसी और टेनेसी के मेम्फिस जैसे डेमोक्रेटिक नेतृत्व वाले शहरों में अपराध नियंत्रण अभियानों के लिए नेशनल गार्ड की तैनाती की जा चुकी है। हालांकि, शिकागो पुलिस विभाग के आंकड़ों के अनुसार पिछले वर्ष की पहली छमाही की तुलना में गोलीबारी की घटनाओं में मामूली वृद्धि हुई है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में शहर में हिंसक अपराधों की दर में सामान्य तौर पर कमी दर्ज की गई है। पुलिस द्वारा साझा की गई प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, शुक्रवार शाम पांच बजे से अब तक कम से कम दो दर्जन गोलीबारी की घटनाएं हुई हैं। मारे गए लोगों में एक 21 वर्षीय युवक शामिल है, जिसे रविवार को सीने में गोली मारी गई। इसके अलावा शनिवार शाम एक 18 वर्षीय युवक की बगल में गोली लगने से मौत हुई, जबकि शुक्रवार को 50 वर्षीय व्यक्ति की सीने में गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार शाम शिकागो की एक सड़क पर खड़ी भीड़ पर एक एसयूवी से आए दो लोगों ने अंधाधुंध गोलीबारी कर दी।

जीत का जश्न बना रही थी महिला, पड़ोसी ने 911 पर किया फोन; अमेरिकी पुलिस ने घर में घुसते ही चलाई गोली

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के लॉस एंजिलिस में एक महिला की खुशी का जश्न कुछ ही मिनटों में मातम में बदल गया। 911 पर एक पड़ोसी की शिकायत के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने महिला के पालतू कुत्ते को गोली मार दी। इस पूरी घटना का वीडियो अब सामने आया है, जिसके बाद सोशल मीडिया पर पुलिस की कार्रवाई को लेकर भारी विवाद खड़ा हो गया है। वीडियो में दिख रहा है कि महिला अपने पसंदीदा बास्केटबॉल क्लब न्यूयॉर्क निक्स की ऐतिहासिक जीत का जश्न मना रही थी, लेकिन पुलिस ने इसे संभावित खतरे की स्थिति मान लिया।

लॉस एंजिलिस पुलिस विभाग के अनुसार, 13 जून को एक महिला ने 911 पर फोन कर शिकायत की थी कि उसकी पड़ोसी पिछले 20 मिनट से लगातार ओह माय गॉड चिल्ला रही है। शिकायत करने वाली महिला को आशंका थी कि पड़ोसी के घर में कोई गंभीर घटना हुई है। इसके बाद दो पुलिस अधिकारियों को वेलनेस चेक के लिए अपार्टमेंट भेजा गया। जब पुलिस मौके पर पहुंची तो पता चला कि महिला मैरी मार्सिले न्यूयॉर्क निक्स की 53 साल बाद मिली एनबीए चैंपियनशिप जीत का जश्न मना रही थीं।

क्या पुलिस के पहुंचते ही कुत्ते ने भौंकना शुरू कर दिया था? पुलिस द्वारा जारी बॉडीकैम वीडियो में दिखता है कि जैसे ही अधिकारी मैरी मार्सिले से बात करने लगे, उनका दो साल का पालतू कुत्ता जेम्सन जोर-जोर से भौंकने लगा। जेम्सन गोल्डन रिट्रीवर, सेंट बर्नार्ड और पूडल नस्ल का मिश्रित कुत्ता था और उसने न्यूयॉर्क निक्स की जर्सी पहन रखी थी। अधिकारियों ने महिला से कुत्ते को अंदर बांधने के लिए कहा। महिला ने माफी मांगते हुए कुत्ते को अंदर ले जाकर दरवाजा बंद कर दिया। इस दौरान एक अधिकारी को यह कहते हुए सुना गया कि वह इतने बड़े कुत्ते से कटवाना नहीं चाहता।

आखिर पुलिस ने कुत्ते पर गोली क्यों चलाई : कुछ देर बाद महिला ने दोबारा दरवाजा खोला। पुलिस ने उनसे पूछा कि क्या कुत्ते को सुरक्षित कर दिया गया है। महिला ने जवाब दिया कि उसका कुत्ता आक्रामक नहीं है। हालांकि, इसी दौरान करीब 48 किलोग्राम वजनी जेम्सन फिर बाहर आ गया।

गजब! ऐसा भूकंप आया कि पूरा देश एक तरफ खिसक गया, 6 किमी आगे हुआ शिफ्ट

टोक्यो, एजेंसी। साल 2011 में जापान ने भयंकर दर्द सहा। तब मार्च के महीने में आया एक विनाशकारी भूकंप 20 हजार लोगों की मौत की वजह बन गया। हालांकि, अब नई जानकारी सामने आई है, जिससे खुलासा हुआ है कि सिर्फ तबाही ही नहीं, उस भूकंप ने दुनिया में जापान की जगह ही बदल कर रख दी थी। लोगों को चोट पहुंचाने और तबाही का पर्याय माने जाने वाले भूकंप ने एक ऐसी घटना को भी अंजाम दिया है, जिसने वैज्ञानिकों को भी हैरानी में डाल दिया है। कहानी जापान की है, जिसने साल 2011 में भयंकर दर्द सहा। देश में तब आए भूकंप को लेकर स्टडीज जारी हैं और अब खुलासा हुआ है कि झटकों के बाद पूरा देश ही एक दिशा में आगे बढ़ गया था। अब तक इसकी वजह साफ नहीं हुई थी, लेकिन वैज्ञानिकों

ने इस क्षेत्र में प्रगति कर बड़े रहस्य से पर्दा उठाया है। लगभग 15 साल पहले जापान में आए विनाशकारी भूकंप को लेकर वैज्ञानिकों ने नया खुलासा किया है। 2011 में 9 तीव्रता वाले भूकंप से जापान देश पूर्व की तरफ 5-6 मिलीमीटर आगे खिसक गया था। साल 2011 में आए भूकंप की तीव्रता 9 मापी गई थी। उस विनाशकारी त्रासदी में 20 हजार लोगों की मौत हो गई थी। शिकागो विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने सैटेलाइट नेटवर्क के जरिये डाटा जुटाया। भूकंप के कारण फॉल्ट लाइन (दरार) के पास चट्टानों के बड़े ब्लॉक अचानक एक-दूसरे के आगे फिसल गए। इस भूकंप से जो शक्तिशाली तरंगें निकलीं, वे पृथ्वी के भीतर गहराई में सीधे पृथ्वी के केंद्र तक गईं। ये तरंगें कोर से टकराकर सतह की ओर लौट आईं। इस दौरान तरंगों ने जापान के नीचे मौजूद टेक्टोनिक प्लेटों की सीमाओं को दोबारा सक्रिय कर दिया, जिससे जमीन में अतिरिक्त हलचल पैदा हुई। जापान ने जियो नेट नाम का एक विशाल नेटवर्क बना रखा है। इसमें 1,200 से अधिक जीपीएस स्टेशन लगे हैं।

भविष्य में मिलेगी मदद : इस खुलासे ने बताया कि पृथ्वी के कोर से टकराकर लौटने वाली तरंगें मुख्य भूकंपीय क्षेत्र को दोबारा सक्रिय कर सकती हैं। भविष्य में संवेदनशील इलाकों में भूकंप के खतरों का नए सिरे से आकलन करने में मदद करेगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जापान के उत्तर पूर्वी तट पर आए तूफान के बाद वैज्ञानिकों को हैरान करने वाली चीज दिखी थी। झटकों के करीब 16 मिनट बाद जापान में लगे तक्क्र स्टेशन्स ने पाया कि देश पूर्वी दिशा में खिसक गया है। खास बात है कि ये गतिविधियां पूरे देश में एकसाथ हुईं।

'न वो मेरी हर बात मानते हैं, न मैं उनकी...', ट्रंप से रिश्तों पर नेतन्याहू का बड़ा बयान; फिर बढ़ी टेंशन

तेलअवीव, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी भारी तनाव के बीच इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ अपने संबंधों को लेकर एक बड़ा और चौंकाने वाला बयान दिया है। एक अंतरराष्ट्रीय नीति सम्मेलन को संबोधित करते हुए नेतन्याहू ने कहा कि भले ही अमेरिका और इजरायल करीबी सहयोगी हों, लेकिन दोनों देशों के बीच हमेशा हर मुद्दे पर सहमति नहीं होती।

'हम स्वतंत्र देशों के नेता हैं' : प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने ट्रंप के साथ अपने तालमेल पर बात करते हुए कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप वह सब कुछ नहीं करते जो मैं चाहता हूं और न ही मैं वह सब कुछ करता हूं जो वह चाहते हैं। उन्होंने जोर

देकर कहा कि वे दोनों आजाद और गर्व करने वाले देशों के नेता हैं और यह स्वाभाविक है कि कभी-कभी उनकी राय एक-दूसरे से अलग हो।

नेतन्याहू का यह बयान ऐसे समय में आया है जब इजरायल हमास, हिज्बुल्लाह और ईरान समर्थित अन्य समूहों के साथ सुरक्षा चुनौतियों से जूझ रहा है। हालांकि अमेरिका इन मुद्दों पर इजरायल का साथ देता है, लेकिन ट्रंप प्रशासन हमेशा इजरायल की हर मांग को तुरंत स्वीकार नहीं करता।

अमेरिका-ईरान वार्ता : दूसरी ओर, जिनेवा में अमेरिका और ईरान के बीच चल रही कूटनीतिक हलचल पर भी बड़ी जानकारी सामने आई है। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता के अनुसार, दोनों देशों के बीच लगभग 18 घंटे तक गहन चर्चा हुई। इस बातचीत में कतर और पाकिस्तान ने मध्यस्थ के रूप में काम किया। प्रवक्ता ने बताया कि नेगोशिएटिंग डेलिगेशन का काम फिलहाल एक चरण के लिए पूरा हो गया है और अब विशेषज्ञों की 'टेक्निकल टीमें' विवरणों पर काम जारी रखेंगी। जल्द ही मध्यस्थों की ओर से एक लिखित दस्तावेज जारी किया जाएगा, जिसमें उन सभी बिंदुओं की रूपरेखा होगी जिन पर सहमति बनी है। इस पूरी वार्ता में ईरान ने मुख्य रूप से दो बड़ी मांगें रखी हैं।

पहली मांग यह है कि ईरान को अंतरराष्ट्रीय बाजार में अपना तेल बेचने के लिए जरूरी परमिट दिए जाएं और तेल की बिक्री पर लगी पाबंदियां हटाई जाएं। दूसरी बड़ी शर्त 'फ्रोजन एसेट्स' से जुड़ी है। ईरान चाहता है कि अमेरिकी प्रतिबंधों की वजह से दुनिया के अलग-अलग देशों में फंसे उसके अरबों डॉलर वापस दिए जाएं। ईरानी प्रवक्ता ने स्पष्ट कर दिया कि इन दो मुद्दों का समाधान निकलना वार्ता की सफलता के लिए बेहद जरूरी है।

कोलंबिया में क्यों जले अमेरिकी झंडे? राष्ट्रपति चुनाव के नतीजों के बाद भारी बवाल, जानें क्या है ट्रंप कनेक्शन

बोगोटा, एजेंसी। कोलंबिया में हुए राष्ट्रपति चुनाव के नतीजे आने के बाद देश के हालात बहुत ज्यादा खराब हो गए हैं। डोनाल्ड ट्रंप के समर्थन वाले कट्टर दक्षिणपंथी नेता अबेलार्दो दे ला एस्प्रिएला ने इस चुनाव में बहुत ही कम अंतर से जीत दर्ज की है। इस खबर के बाद कोलंबिया के तीसरे सबसे बड़े शहर काली में हिंसक प्रदर्शनकारियों ने अमेरिकी झंडे जलाए हैं। इसके साथ ही दंगा-रोधी पुलिस के साथ भीड़ की काफी भारी झड़प भी हुई है जिसे रोकने के लिए आंसू गैस का इस्तेमाल किया गया।

राष्ट्रपति चुनाव में अबेलार्दो दे ला एस्प्रिएला को 49.66 प्रतिशत वोट मिले जबकि वामपंथी इवान सेपेदा को 48.70 प्रतिशत वोट हासिल हुए हैं। इन दोनों प्रमुख उम्मीदवारों के बीच केवल कुछ लाख वोटों का ही बहुत मामूली अंतर रहा है। जीत के बाद 47 साल के अबेलार्दो ने सोशल मीडिया पर अपनी खुशी जताते हुए कहा कि देश ने अपना सबसे महत्वपूर्ण मुकाबला जीत लिया है। उन्होंने बताया कि उनकी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से बात हुई जिन्होंने उन्हें बधाई और पूरा समर्थन दिया है।

दक्षिणपंथी राजनीति की वापसी : अबेलार्दो की इस अहम जीत के साथ ही कोलंबिया में एक बार फिर से दक्षिणपंथी राजनीति की सत्ता में वापसी हो गई है। पिछले 200 वर्षों के इतिहास में केवल 4 साल को छोड़कर ज्यादातर समय यहां दक्षिणपंथी दल ही शासन करते रहे हैं। वामपंथी दल इस बड़ी जीत को सीधे तौर पर कोलंबिया के चुनाव में अमेरिका का भारी हस्तक्षेप बता रहे हैं। इसलिए अब देश में हिंसक विरोध-प्रदर्शनों के आगे भी लगातार जारी रहने की पूरी संभावना जताई जा रही है।

अमेरिकी समर्थन और भविष्य की नीतियां : अबेलार्दो दे ला एस्प्रिएला के पास अमेरिका और कोलंबिया दोनों देशों की नागरिकता मौजूद है और वे खुद को बाघ कहते हैं। चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने कहा था कि वह सत्ता में आते ही विद्रोही समूहों के साथ चल रही शांति वार्ताएं खत्म कर देंगे। उन्होंने इन विद्रोही समूहों के खिलाफ अमेरिका के समर्थन से 90 दिनों तक लगातार हवाई हमले करने का भी ऐलान किया था। उनके इन आक्रामक फैसलों से देश में नई राजनीतिक और सामाजिक उथल-पुथल मचने की गहरी आशंका पैदा हो गई है।

कोलंबिया के सामने बड़ी चुनौतियां : कोलंबिया में फार्क गुरिल्ला गुट के साथ हुए ऐतिहासिक शांति समझौते को अब 10 साल पूरे हो चुके हैं। इस एक दशक के दौरान देश के कई हिस्सों में काफी विकास हुआ है लेकिन चुनौतियां अभी भी कायम हैं।

हिजबुल्ला प्रमुख बोले- इस्राइल-अमेरिका हार चुके; ट्रंप पर भी लगाए कई आरोप

बेरूत, एजेंसी। पश्चिम एशिया में तनाव कम करने की कोशिशों के बीच हिजबुल्ला प्रमुख शेख नईम कासिम ने अमेरिका और इस्राइल पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने दावा किया है कि ईरान और क्षेत्र के प्रतिरोधी गुटों को खत्म करने की अमेरिका-इस्राइल की योजना पूरी तरह विफल हो चुकी है। कासिम ने आरोप लगाया कि लेबनान में इस्राइल की सैन्य कार्रवाई अमेरिका के समर्थन के बिना संभव नहीं थी। उन्होंने कहा कि हालिया संघर्ष के बाद पश्चिम एशिया एक नए दौर में प्रवेश कर रहा है, जहां तथाकथित अमेरिकी-इस्राइली परियोजना को हार का सामना करना पड़ा है।

शेख नईम कासिम ने मध्य अशूरा परिषद को संबोधित करते हुए कहा कि ईरान ने भारी नुकसान और बलिदान झेलने के बावजूद खुद को पहले से अधिक मजबूत साबित किया है। उन्होंने कहा कि ईरान कभी भी अपने अधिकारों और क्षेत्रीय प्रभाव को नहीं छोड़ेगा। कासिम के मुताबिक, अमेरिका और इस्राइल ने क्षेत्र में प्रतिरोधी ताकतों को कमजोर करने की कोशिश की, लेकिन वे इसमें सफल नहीं हो सके। उन्होंने कहा कि अब क्षेत्र में नई राजनीतिक और सुरक्षा परिस्थितियां बन रही हैं। हिजबुल्ला प्रमुख ने उन युद्धविराम प्रस्तावों की आलोचना की, जिनमें इस्राइल को सैन्य कार्रवाई जारी रखने की छूट दी जाती है। कासिम ने कहा कि ऐसा कोई भी समझौता वास्तव में युद्धविराम नहीं, बल्कि आक्रामकता को जारी रखने का माध्यम है। उन्होंने आरोप लगाया कि अतीत में भी जब हिजबुल्ला ने युद्धविराम का पालन किया, तब

इस्राइल ने समझौतों का उल्लंघन किया। उन्होंने साफ कहा कि संगठन ऐसे किसी भी प्रस्ताव को स्वीकार नहीं करेगा, जिसमें पूरी तरह सैन्य कार्रवाई बंद करने की गारंटी न हो।

हिजबुल्ला किस तरह के युद्धविराम की मांग कर रहा है : कासिम ने कहा कि वास्तविक युद्धविराम का मतलब है कि हवा, जमीन और समुद्र से होने वाली सभी सैन्य गतिविधियां पूरी तरह बंद हों। इसके अलावा लेबनान में ढांचों को ध्वस्त करने की कार्रवाई भी समाप्त होनी चाहिए। उन्होंने यह भी मांग की कि इस्राइली सेना लेबनान के कब्जे वाले इलाकों से पूरी तरह पीछे हटे। हिजबुल्ला प्रमुख ने दावा किया कि संगठन को ईरान का मजबूत समर्थन प्राप्त है और तेहरान ने लेबनान की रक्षा को अपनी प्राथमिकताओं में शामिल किया है। उन्होंने यह भी कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करना एक प्रभावी रणनीतिक हथियार साबित हो सकता है।

अमेरिका और ट्रंप को लेकर हिजबुल्ला ने क्या कहा : शेख नईम कासिम ने अमेरिका पर सीधे तौर पर इस्राइल का समर्थन करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अमेरिकी मदद के बिना लेबनान में मौजूदा स्तर का संघर्ष संभव नहीं था। कासिम ने दावा किया कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चाहें तो इस्राइल की सैन्य कार्रवाई को तुरंत रोक सकते हैं। उन्होंने कहा कि अगर वॉशिंगटन इस्राइल पर दबाव बनाए तो प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अमेरिकी मांग को ठुकरा नहीं पाएंगे। कासिम ने दोहराया कि हिजबुल्ला किसी ऐसे समझौते को स्वीकार नहीं करेगा, जिसमें पूर्ण युद्धविराम शामिल न हो।

क्या कूटनीतिक प्रयासों के बीच बदल सकता है पश्चिम एशिया का समीकरण : हिजबुल्ला प्रमुख का यह बयान ऐसे समय आया है, जब अमेरिका और ईरान के बीच तकनीकी स्तर की बातचीत जारी है। पश्चिम एशिया में तनाव समाप्त करने के लिए 14 सूत्रीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जाने के बाद कूटनीतिक गतिविधियां तेज हुई हैं। इस प्रक्रिया में लेबनान में इस्राइली सैन्य अभियान को समाप्त करना भी एक अहम मुद्दा माना जा रहा है। ऐसे में हिजबुल्ला के ताजा बयान से संकेत मिलता है कि क्षेत्र में शांति स्थापित करने की राह अभी भी चुनौतीपूर्ण बनी हुई है।

मनोविज्ञान की फील्ड में बना सकते हैं करियर

मनोविज्ञान का क्षेत्र है, जिसमें प्रत्येक आयुवर्ग के लोग विशेषज्ञता हासिल कर अपना करियर बना सकते हैं। इसमें मानव मन और व्यवहार का अध्ययन किया जाता है। मसलन, मस्तिष्क तनाव में कैसे काम करता है, यह कैसे भाषा सीखता है, तथ्यों को कैसे याद रखता है या किसी भी तरह की मानसिक बीमारी इसके काम करने के तरीके को कैसे प्रभावित कर सकती है। इस सेक्टर में विशेषज्ञता और रुचियों के आधार पर मनोविज्ञान डिग्री धारकों के लिए कई अलग-अलग विकल्प उपलब्ध हैं, जो कि इस प्रकार हैं-

- मनोविज्ञानी
- मनोचिकित्सक
- समाज सेवक
- काउंसलर
- शैक्षिक मनोवैज्ञानिक
- मानव संसाधन प्रबंधक
- अध्यापक
- अनुसंधान भूमिकाएं
- मीडिया भूमिकाएं
- मनोविज्ञान में करियर

मनोविज्ञान का कोर्स करने के बाद छात्र पब्लिक और प्राइवेट हेल्थ केयर, एजुकेशन, मेंटल हेल्थ स्पोर्ट्स, सोशल वर्क, थेरेपी एंड काउंसलिंग जैसे कई सेक्टर में करियर बना सकते हैं। यहां पर वे सलाहकार, अनुसंधान-आधारित, उपचार-आधारित या चिकित्सीय की भूमिका निभा सकते हैं। इसके अलावा मीडिया और अन्य रचनात्मक फील्ड में नौकरियों सहित मनोविज्ञान स्नातकों के लिए कई ऑप्शन भी हैं।

चार्टर्ड मनोवैज्ञानिक

एक चार्टर्ड मनोवैज्ञानिक के तौर पर आप व्यावसायिक मनोविज्ञान, शैक्षिक मनोविज्ञान, खेल और मानसिक स्वास्थ्य जैसे कई क्षेत्रों में विशेषज्ञता हासिल कर सकते हैं। यहां आप सभी पृष्ठभूमि के लोगों, रोगियों और क्लाइंट के साथ काम कर सकते हैं। इसके अंतर्गत आप कुछ मनोवैज्ञानिक मुद्दों पर बेहतर ढंग से समझने और सलाह देने के लिए आप व्यवहार, विचारों और भावनाओं का विश्लेषण कर सकते हैं। हालांकि यदि आप मनोचिकित्सक बनना चाहते हैं तो इसके लिए आपको मेडिकल डिग्री हासिल करने की आवश्यकता होगी।

मनोचिकित्सक

एक मनोचिकित्सक के तौर आपको व्यक्तियों, जोड़ों, समूहों या परिवारों के साथ काम करता होगा। जिससे आप अपने क्लाइंट्स को भावनात्मक और रिश्ते से संबंधित मुद्दों, तनाव और यहां तक कि व्यसन सहित मनोवैज्ञानिक परेशानियों को दूर करने में मदद कर सके। इनमें संज्ञानात्मक व्यवहार विधियां, मनोविश्लेषणात्मक और मनोगतिक चिकित्सा, साथ ही कला चिकित्सा, नाटक चिकित्सा, ह्यूमनिस्टिक और एकीकृत मनोचिकित्सा, सम्मोहन-मनोचिकित्सा और अनुभवात्मक चिकित्सा शामिल हैं।

समाज सेवक

एक सामाजिक कार्यकर्ता के तौर पर आपको ऐसे लोगों की स्थितियों में सुधार लाने के लिए काम करना होगा, जो अपने जीवन में कठिन दौर से गुजर रहे हैं। ये कोई भी हो सकते हैं जैसे बच्चों या बुजुर्गों का या ऐसा ही अन्य कोई ग्रुप, विकलांग लोगों और अपराध और दुर्व्यवहार के शिकार लोगों सहित अन्य कई।
सामाजिक कार्यकर्ता स्कूलों, घरों, अस्पतालों या अन्य सार्वजनिक एजेंसियों के भीतर काम कर सकते हैं।

काउंसलर

एक काउंसलर लोगों को उनके जीवन, भावनाओं और अनुभवों के साथ बेहतर तरीके से सामंजस्य बिठाने में मदद करता है। यहां पर क्लाइंट की बातों को ध्यान से सुनना एक काउंसलर के लिए सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण होता है। एक काउंसलर में सुनने, सहानुभूति देने, सम्मान और धैर्य प्रदान करने की क्षमता साथ विश्लेषण करने की क्षमता होनी जरूरी है, ताकि क्लाइंट को उनकी स्थिति से बेहतर तरीके से निपटने में सक्षम बनाया जा सके। एक काउंसलर अक्सर विवाह और परिवार, स्वास्थ्य, दुर्व्यवहार, पुनर्वास, शिक्षा, दुख, मानसिक स्वास्थ्य, करियर मार्गदर्शन और बाल रोग सहित अनेक क्षेत्र शामिल हैं।

शिक्षा में मनोविज्ञान करियर

मनोविज्ञान कोर्स के बाद आप शिक्षा के क्षेत्र में भी जा सकते हैं। यहां आप शिक्षा के साथ-साथ शैक्षिक चिकित्सा, शैक्षिक मनोविज्ञान और शिक्षा के भीतर सामाजिक कार्य, मनोविज्ञान स्नातक प्राथमिक, माध्यमिक या कॉलेज, यूनिवर्सिटी स्तर की शिक्षा में काम कर रहे शिक्षकों के रूप में कार्य कर सकते हैं। इसके अलावा जेल के अंदर के युवा अपराधियों को ठीक करने के लिए काम कर सकते हैं। वहीं महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में करियर में प्रवेश करने के लिए आपको मास्टर / पीएचडी योग्यता की आवश्यकता होगी। उच्च शिक्षा के अंतर्गत आप शिक्षण या रिसर्च दोनों ही क्षेत्र में करियर बना सकते हैं।

रिसर्च में करियर

मनोविज्ञान के तौर पर आप रिसर्च एजेंसियों, पब्लिक और प्राइवेट ऑर्गनाइजेशन या विश्वविद्यालयों में रिसर्च कर सकते हैं। सभी क्षेत्रों के भीतर रिसर्च करियर और भी व्यापक हैं, इसमें सरकारी नीति विकास या उद्योग के लिए काम कर सकते हैं। आप एक चैरिटी या अन्य गैर-लाभकारी संगठन के लिए भी काम कर सकते हैं जो भाषण बाधाओं, मस्तिष्क क्षति, बाल विकास या मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य पर कानूनी और अवैध दवाओं के प्रभाव जैसी चुनौतियों को हल करने के लिए रिसर्च कर रहे हैं।

मीडिया और विज्ञापन करियर

मनोविज्ञान डिग्री होल्डरों के लिए मीडिया में भी विविध करियर हैं। मनोविज्ञान स्नातक मानव व्यवहार को लेकर कंपनी के लिए कई महत्वपूर्ण बातें बता सकते हैं। साथ ही समस्याओं का विश्लेषण करने, ध्यान से सुनने, प्रतिक्रिया देने और सहानुभूति और कारण के साथ कार्य करने की क्षमता प्रदान कर सकते हैं। इस वजह से, प्रबंधन, उत्पादन, शेड्यूलिंग और लेखन सहित सभी विभागों के भीतर मनोविज्ञान स्नातकों की मांग होती है।

मानव संसाधन और संचार करियर

मनोविज्ञान की डिग्री के साथ ह्यूमन रिसोर्स और कम्युनिकेशन करियर भी एक अच्छा विकल्प है। पब्लिक और प्राइवेट दोनों क्षेत्रों में उपलब्ध इन भूमिकाओं में कर्मचारी संतुष्टि, व्यावसायिक विकास, प्रशिक्षण, भर्ती, पीआर, पेरोल और आंतरिक संचार जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

इंटरनेशनल रिलेशन में पीएचडी करना चाहते है तो मास्टर्स में न्यूनतम 55% अंक आवश्यक है। इसके अलावा इंटरनेशनल रिलेशन से संबंधित विषयों में पोस्ट ग्रेजुएशन या एम. फिल की डिग्री होनी चाहिए।

इंटरनेशनल रिलेशन में पीएचडी करना चाहते हैं क्या है प्रवेश प्रक्रिया

अगर आप भी इंटरनेशनल रिलेशन में पीएचडी करना चाहते है तो मास्टर्स में न्यूनतम 55% अंक आवश्यक है। इसके अलावा इंटरनेशनल रिलेशन से संबंधित विषयों में पोस्ट ग्रेजुएशन या एम. फिल की डिग्री होनी चाहिए। यह 3-5 साल का कोर्स होता है। इसमें अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, अंतर्राष्ट्रीय संबन्ध, और विभिन्न देशों के बीच सम्बन्ध के कारकों और पहलुओं का अध्ययन और विश्लेषण किया जाता है। अगर आप भी इंटरनेशनल स्टडीज में पीएचडी करके राजनयिक के तौर पर काम करना चाहते है तो आइये जानते है इसमें नामांकन के लिए क्या योग्यताएं होनी चाहिये।

योग्यता

- संबंधित विषय में एम फिल की डिग्री या पोस्ट ग्रेजुएशन होना चाहिए।
- उम्मीदवार के पास मास्टर डिग्री में न्यूनतम 55% अंक होना आवश्यक है।
- विश्वविद्यालयों द्वारा भी परीक्षाएं आयोजित कराई जाती है।
- आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों के लिए 5% अंकों की छूट दी जाती है।
- यूजीसी-नेट जैसी राष्ट्रीय परीक्षाओं भी आयोजित की जाती हैं।
- प्रवेश परीक्षा के बाद साक्षात्कार होता है अगर आपने उसमें अच्छा स्कोर किया तो आपको स्कॉलरशिप भी मिल सकती है।

रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया

पीएचडी इन इंटरनेशनल स्टडीज के लिए भारत के टॉप कॉलेजों द्वारा अपनाई जाने वाली एडमिशन प्रोसेस इस प्रकार है

- ऑफिशयल वेबसाइट पर जाएं।
- ऑफिशयल वेबसाइट पर जाने के बाद आवेदन फॉर्म भरें।
- फार्म को ध्यान से भरें नहीं तो आपका फार्म रिजेक्ट हो सकता है
- सभी दस्तावेज जो भी मांगे गए है उनको अपलोड करिये।
- ऑनलाइन फॉर्म की फीस जमा करें।
- फार्म को सबमिट करें।

प्रवेश परीक्षा

अगर आप किसी अच्छी यूनिवर्सिटी में प्रवेश लेना चाहते है तो प्रवेश परीक्षा में अच्छा स्कोर करना पड़ेगा। रजिस्ट्रेशन के बाद एडमिट कार्ड जारी किये जाते है। जिनमे परीक्षा की सारी जानकारी होती है। प्रवेश प्रक्रिया सीएसआईआर यूजीसी नेट, एसआईयू पीईटी, एमिटी यूनिवर्सिटी पीईटी जैसे एंट्रेंस एग्जाम पर निर्भर करती है।

प्रवेश प्रक्रिया

परीक्षा परिणाम के लिए आप वेबसाइट से जानकारी प्राप्त कर सकते है, प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के लिए बुलाया जाता है। साक्षात्कार में सफल होने के बाद डॉक्टरेट स्तर पर इंटरनेशनल स्टडीज का अध्ययन करने के लिए एडमिशन दिया जाता है।

पीएचडी इन इंटरनेशनल स्टडीज- सिलेबस

- एडवांस्ड थ्योरी ऑफ इंटरनेशनल रिलेशन
- एडवांस्ड रिसर्च मेथड
- फेमिनिस्ट इंटरनेशनल रिलेशन
- थिसिस
- शांति और संघर्ष अध्ययन

देश के कुछ टॉप कॉलेज

- झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय
- सिम्बायोसिस लॉ स्कूल, पुणे
- लाजपत राय लॉ कॉलेज
- शिव नादर विश्वविद्यालय
- गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय
- रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी
- एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा
- कलिंग विश्वविद्यालय
- पंजाब विश्वविद्यालय
- पी.पी. सवानी विश्वविद्यालय
- यूएनओएम, मद्रास विश्वविद्यालय
- गुरु नानक देव विश्वविद्यालय

क्रिएटिव राइटिंग सिर्फ शौक ही नहीं, करियर भी बन सकता है। इसी के साथ जुड़ा हुआ है एक और करियर, जो है ट्रांसलेटर यानी अनुवादक का। इसके लिए तो अनेक संस्थानों में काफी स्कोप रहता है।

करियर भी बना सकता है क्रिएटिव राइटिंग का शौक

कहां है मांग?

रेलवे, बैंक, सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों (पीएसयू) आदि में अनुवादकों की अच्छी डिमांड रहती है। आप चाहें, तो फ्रीलांसर के तौर पर भी काम कर सकते हैं। वहीं इंटरप्रेटर के रूप में खुद को तैयार करके आप विभिन्न देशों के दूतावासों तथा विदेशी कंपनियों में जॉब पा सकते हैं। यह एक दिलचस्प जॉब है, जिसमें हर दिन कुछ नया सीखने को मिलता है। अभ्यास बहुत जरूरी लेखक बनने का हुनर कई लोगों में जन्मजात होता है मगर इस हुनर को मांजना बहुत जरूरी है। हर लिखने वाला प्रभावशाली नहीं होता। अगर आप भी बतौर क्रिएटिव राइटर करियर बनाना चाहते हैं, तो सरल, सहज और प्रभावी लिखने का अभ्यास करते रहें। पुराने क्लासिक्स से लेकर नए, प्रमुख लेखकों की किताबें तथा पत्र-पत्रिकाओं मे छपने वाले उनके कॉलम जरूर पढ़ते रहें। आप जितना ज्यादा पढ़ेंगे, उतना ही आपका लेखन निखरेगा। यहां ध्यान रखने वाली बात यह है कि आप सीखें सबसे लेकिन लिखते समय अपनी मौलिक पहचान जरूर बनाए रखें। आपके लेखन में किसी अन्य लेखक की नकल या प्रभाव नहीं दिखना चाहिए।

कहां से पढ़ें?

यदि आप करियर के तौर पर क्रिएटिव राइटिंग या ट्रांसलेशन को अपनाना चाहते हैं, तो बेहतर होगा कि आप इसके लिए बाकायदा कोर्स कर लें। क्रिएिटिव राइटिंग का कोर्स इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय तथा अन्य प्रमुख विश्वविद्यालयों से किया जा सकता है। वहीं ट्रांसलेटर या इंटरप्रेटर बनने के लिए आपको केंद्रीय हिंदी संस्थान या किसी अन्य आधिकारिक संस्थान से अनुवाद का कोर्स करना होगा।

अगर आप सक्सेसफुल करियर बनाना चाहते हैं, तो आपके अंदर बेहतर कम्युनिकेशन स्किल का होना बेहद जरूरी है। क्योंकि एक अच्छी कम्युनिकेशन स्किल से आप अपने करियर को उच्च स्तर तक ले जा सकते हैं। कम्युनिकेशन स्किल आपकी पर्सनेलिटी का ही हिस्सा है, इसलिए अपनी पर्सनालिटी को इंप्रूव करने के लिए आपको अपनी कम्यूनिकेशन स्किल भी बेहतर करनी होगी।

पर्सनालिटी को इंप्रूव करने के लिए जरूरी है कम्युनिकेशन स्किल

कम्युनिकेशन स्किल बातचीत करना की एक कला है। ये बिल्कुल भी जरूरी नही है कि हर इंसान को बात करने की कला या सही तरीका आता हो। कम्युनिकेशन स्किल का डिग्री और पढ़ाई-लिखाई से भी कुछ लेना देना नहीं है, क्योंकि ये जरूरी नही है कि हर पढ़े-लिखे और डिग्रीधारी शख्स की कम्युनिकेशन स्किल अच्छी ही हो। लेकिन कुछ बातों का ध्यान रखकर इसमें सुधार जरूर किया जा सकता है।

बॉडी लैंग्वेज सही रखें

यह एक तरह का नॉन-वर्बल कम्युनिकेशन होता है, जिसमें आप बिना कुछ बोले बॉडी के हाव-भाव से सब कुछ कह देते हैं। बॉडी लैंग्वेज को देखकर आप सामने वाले पर्सन के बारे में सब कुछ समझ जाते हैं, तो अगर आप अपनी कम्युनिकेशन स्किल्स को बढ़ाना चाहते हैं तो आपको अपनी बॉडी लैंग्वेज को सही रखना जरूरी है। अपनी बॉडी लैंग्वेज के द्वारा आप सामने वाले को अपनी बात आसानी से समझा सकते हैं, लोगों से बात करते समय या मीटिंग्स में जेब में हाथ डालकर या हाथों को फोल्ड करने नहीं रखना चाहिए है आपको सामने वाले को अपनी बात समझाने के लिए अपनी बॉडी लैंग्वेज का सही तरह से यूज करना चाहिए।

दूसरों की बातें ध्यान से सुनें

अगर आप अपनी कम्युनिकेशन स्किल्स को इंप्रूव करना चाहते हैं तो आपको कोई दूसरों भी बात को भी बहुत ही ध्यान से सुनना होगा। इससे आप उसकी बातों को अच्छे से समझ सकेंगे। शुरुआत में बात करते समय आपसे कुछ गलतियां भी हो सकती हैं, लेकिन जब आप डेली प्रैक्टिस करते रहेंगे तो गलतियां कम होंगी और आप सही से कम्युनिकेशन कर सकेंगे। इसीलिए किसी भी बात को अच्छे से सुनिए फिर बोलना सीखिए।

सामने वाले को समझें

अगर आप किसी से कम्युनिकेशन कर रहे है, तो आपको उसकी बातों को अच्छे से समझने के साथ उसे भी समझना होगा कि वो आपसे क्या कहना चाहता है। तभी आप उसके साथ कम्युनिकेशन कर पाएंगे। इसलिए पहले सामने वाले पर्सन की बातों को अच्छे से समझें कि वो क्या कहना चाहता है, कैसा एक्सप्रेशन दे रहा है और उसको अच्छे से समझने के बाद आप अपना जवाब दें।

सही शब्दों का प्रयोग करें

किसी से बात करते समय आपको सही शब्दों का यूज करना चाहिए। इसके लिए डेली नये शब्दों को सीखें और उन्हें लोगों से बात करते समय यूज करें। स्टार्टिंग में आपको लोगों से बात करते समय अपनी आवाज को स्लो रखना है और सही शब्दों को बोलना है, बहुत बार ऐसा होता है कि जल्दी-जल्दी में लोग कम्युनिकेशन करते समय गलत शब्दों का प्रयोग कर जाते हैं, आपको धीरे बोलना है और अपने शब्दों को स्पष्ट बोलना है। जिससे सामने वाला व्यक्ति आपकी बात को अच्छे से समझ सके।

रोज प्रैक्टिस करें

अगर आप दिल से अपनी कम्युनिकेशन स्किल को इम्प्रूव करना चाहते हैं, तो आपको डेली प्रैक्टिस करनी होगी। आपको डेली कम्युनिकेशन के कुछ वर्ड्स याद करने होंगे और इन याद किये गये वर्ड्स को हफ्ते में 2 बार दोहराना होगा। क्योंकि अगर आप एक बार पढ़ने के बाद इन्हें दोबारा देखेंगे नहीं तो भूल जायेंगे। रोज थोड़ा टाइम अपनी कम्युनिकेशन पर दीजिए, डेली कुछ नये वर्ड्स सीखिए। इससे आपकी कम्युनिकेशन स्किल बेहतर होगी।

प्वॉइंट टू प्वॉइंट बात करें

चाहे आपका फ्रेंड हो या कोई अन्य व्यक्ति, किसी से भी बात करते समय ध्यान रखें कि आपको प्वॉइंट टू प्वॉइंट बात करना है। किसी से बात करना होता है तो आपको बिना डरे खुल कर बात करना चाहिए। अगर आप इधर उधर की बात करेंगे तो जिस प्वाइंट पर आप बात करना चाहते हैं, उसपर नहीं कर पाएंगे। साथ ही सामने वाला व्यक्ति भी कंफ्यूज रहेगा।

आई कांटेक्ट रखें

यह ध्यान रखें कि आप जब भी किसी से बात करें तो सामने वाले से आई कांटेक्ट बनाये रखें। इससे हमारी सिंसेरिटी और इंटरेस्ट दिखाई देता है और साथ ही हमारे इमोशन्स भी साफ-साफ दिखाई देते हैं। ये हमारी कम्युनिकेशन स्किल्स को भी इफेक्टिव बनती है। वहीं ऐसे बात करते समय आपका कॉन्फिडेंस भी बढ़ता है।

कॉफिडेंट रहें

किसी से बात करते समय कॉफिडेंट रहना जरूरी होता है। यह तभी हो पाएगा जब आप निडर होंगे, श्योर होंगे और जब आप बाहर की आवाजों पर डिपेंडेंट नहीं होंगे। इसीलिए स्टार्टिंग में जब भी आप किसी से बात करें, तो अपनी गलतियों से डरे नहीं, क्योंकि गलतियां होना एक नार्मल बात है, लेकिन जब धीरे-धीरे आप बोलना सीख लेंगे, आपकी कम्युनिकेशन स्किल्स अच्छी हो जाएगी तो आप पूरे कॉन्फिडेंस के साथ किसी भी फंक्शन में, पार्टी में, मीटिंग्स में या कहीं पर भी बोल सकेंगे।

संक्षिप्त समाचार

बागेश्वर में पूजा के दौरान मकान पर गिरा विशाल चीड़ का पेड़

बागेश्वर। कांडा तहसील क्षेत्र के एक गांव में मंगलवार को तेज बारिश तथा अंधड़ के कारण विशाल चीड़ का पेड़ आवासीय मकान पर गिर गया। घटना में छह लोग घायल हो गए हैं। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। जहां चिकित्सक उनका उपचार कर रहे हैं। वहीं, मकान पूरी तरह ध्वस्त हो गया है। मंगलवार देर शाम हुई बारिश और अंधड़ के कारण बनेगांव निवासी बंशीधर कांडपाल के आवासीय मकान पर चीड़ का विशाल पेड़ गिर गया। तब घर में पूजा–अनुष्ठान चल रहा था।

बारिश होने के कारण लोग घर के अंदर बैठे हुए थे। अचानक बिजली गिरने से वहां मौजूद छह लोग इसकी चपेट में आ गए।

घटना में निम्न लोग हुए घायल

दीपा देवी (39 वर्ष) पत्नी भास्कर पांडेय।
प्रेमा देवी (50 वर्ष) पत्नी रमेश चंद्र।
हंसी देवी (55 वर्ष) पत्नी पूरन चंद्र।
तुलसी देवी (48 वर्ष) पत्नी बंशीधर ।
मीना देवी (36 वर्ष) पत्नी गोविंद बल्लभ।
लीला देवी (50 वर्ष) पत्नी दिनेश चंद्र ।

घटना की सूचना मिलते ही ग्राम प्रधान कुंती देवी, क्षेत्र पंचायत सदस्य कविता बोरा तथा सूरज कुमार ग्रामीणों के साथ मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य में जुट गए। सभी घायलों को तत्काल राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कांडा पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है।

उत्तराखंड के टिहरी में गुलदार का आतंक

नई टिहरी। टिहरी जनपद के विकासखंड थौलधार अंतर्गत ग्राम सौड़ उप्पू क्षेत्र में गुलदार के बढ़ते आतंक से ग्रामीणों में दहशत और भारी आक्रोश है। सोमवार देर रात गुलदार ने अलग–अलग घटनाओं में एक सात वर्षीय बच्ची और एक महिला को हमला कर घायल कर दिया। दोनों घायलों को जिला अस्पताल बौराड़ी में भर्ती कराया गया है।

सीढ़ियों से छत पर पहुंचा गुलदार

पहली घटना सोमवार रात करीब पौने नौ बजे की है। ग्राम सौड़ उप्पू निवासी रमेश राणा की सात वर्षीय पुत्री तानवी अपने दो मंजिला मकान की छत पर बैठकर पढ़ाई कर रही थी।

इसी बीच गुलदार सीढ़ियों के रास्ते छत पर पहुंच गया और मासूम पर झपट पड़ा। बच्ची के शोर मचाने और परिजनों के दौड़ने पर गुलदार वहां से भाग खड़ा हुआ। परिजनों ने लहूलुहान तानवी को तुरंत जिला अस्पताल पहुंचाया।

हरिद्वार–नजीबाबाद हाईवे पर आया हाथी

श्यामपुर। हरिद्वार–नजीबाबाद हाईवे पर एक बार फिर वन्यजीवों की आवाजाही से राहगीरों में हड़कंप मच गया। श्यामपुर क्षेत्र के पास अचानक एक हाथी मुख्य हाईवे पर आ धमका। हाईवे पर हाथी के आ जाने से दोनों ओर वाहनों की रफ्तार थम गई और कुछ समय के लिए यातायात बाधित हो गया। स्थानीय निवासियों और राहगीरों ने तुरंत इसकी सूचना वन विभाग को दी।

सूचना मिलते ही वन मौके पर पहुंची। वन कर्मियों ने सूझबूझ और तत्परता दिखाते हुए हाथी को बिना कोई नुकसान पहुंचाए, सुरक्षित तरीके से वापस जंगल की ओर खदेड़ दिया।

उत्तर रेलवे

ई–नीलामी सूचना

मुरादाबाद मंडल से शुरू होने वाली ट्रेनों के 10 एस.एल.आर गाड़ी स० 19610 (R-I), 12402 (R-1), 13038 (F-I), 15120 (F-I), 14314 (R-I), 13036 (F-I), 22918 (F-I), 19032 (F-I), 14236 (F-I), 15002 (F-I) के पार्सल स्पेस को लीज पर 3 साल की अवधि के लिए देने हेतु ई–नीलामी के तहत दिनांक 09.07.26 (Timings: 10:00 am) को बोली के माध्यम से आमंत्रित की जाएगी। इसके लिए विस्तृत नियम और शर्तें **www.ireps.gov.in** वेबसाइट पर ही उपलब्ध हैं।

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 2163/26

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/प्रथम द्वारा ई टेन्डर जिनके बन्द होने की तिथि प्रत्येक निविदा के सामने अंकित है। निम्न टेन्डर संख्या के अर्न्तगत आंमत्रित किये जाते है जो उसी दिन 16:00 बजे तक प्राप्त किये जायेंगे। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चौक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबधित अन्य जानकारी वैबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखें।

टेंडर संख्या दिनांक	89-DRM-MB-26-27 Dt. 19.06.2026	90-DRM-MB-26-27 Dt. 19.06.2026
कार्य का नाम	Improvement of Roorkee (RK) and Laksar (LRJ) Yards in section of SSE/P.way/RK under ADEN/RK	Improvement of Haridwar (HW), Dehradun(DDN), Yog Nagari Rishikesh (YNRK) and Raiwala (RWL) Yards in section of SSE/P.way/DDN under ADEN/HW
निविदा का प्रकार	Works	Works
निविदा की कीमत	Nil	Nil
अनुमानित लागत	3,47,99,156.17	4,07,00,568.38
धरोहर राशि	6,96,000.00	8,14,000.00
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक/समय	16.07.2026 16:00	16.07.2026 16:00
बिडिंग स्टार्ट तिथि	02.07.2026	02.07.2026
आफर की वैधता	60 Days	60 Days
कार्य पूर्ण करने की अवधि	12 Months	12 Months

टेन्डर न.: 74-W/2/3/WA/Publication दिनांक: 22.06.2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 2144/26

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से सीपीएम/जीएसयू/मुरादाबाद द्वारा ई–टेन्डर जिनके बन्द होने की तिथि 15.07.2026 है। निम्न टेन्डर संख्या के अर्न्तगत आमंत्रित किये जाते है जो उसी दिन 15:30 बजे तक प्राप्त किये जायेंगे। धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वैबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखें।

टेन्डर संख्या दिनांक	05-GSU-MB-26-27 22.06.2026
कार्य का नाम	ABSS: Upgradation of Aonla Station of Moradabad Division under Amrit Bharat Scheme.
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक/समय	15/07/2026, 15:30 Hrs.
अनुमानित लागत	35365405.31
धरोहर राशि	707300.00
बिडिंग स्टार्ट तिथि	01/07/2026

No. Dy.CE/GSU/MB/Publication-05/26-27 दिनांक: 22.06.2026 2139/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

भैरव बाबा का तीन दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान सम्पन्न

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : विकासखंड कल्जीखाल के ग्राम गढ़कोट में कालानाथ भैरव बाबा का तीन दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान विधिवत सम्पन्न हो गया। धार्मिक आयोजन में क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, ग्रामीणों और प्रवासी बंधुओं ने बड़ी संख्या में प्रतिभाग कर पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। ग्राम प्रधान संगीता देवी ने बताया कि भैरव बाबा का अनुष्ठान 20 जून से शुरू हुआ। तीन दिनों तक गंगा स्नान, मूर्ति पुनर्स्थापना, रात्रि कीर्तन-भजन और मंडाण जैसे धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। अंतिम दिवस पर गांव की सुख-शांति और समृद्धि के लिए शांति पाठ, पूर्णाहुति और विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख गीता देवी, जिला पंचायत सदस्य सविता देवी, क्षेत्र पंचायत सदस्य कविता देवी, अंजू रावत, सामाजिक कार्यकर्ता जगमोहन डांगी और जसवीर रावत ने मंदिर पहुंचकर बाबा भैरव का दर्शन कर आशीर्वाद लिया। क्षेत्रवासियों ने बताया कि गढ़कोट स्थित भैरव बाबा मंदिर पर्यटन और धार्मिक दृष्टि से अत्यंत रमणीक स्थल पर स्थित है, जहां से चारों दिशाओं का मनमोहक दृश्य दिखाई देता है। स्थानीय मान्यता के अनुसार यहां

के भैरव बाबा को लंगूर गढ़ी भैरव का अंश माना जाता है। सामाजिक कार्यकर्ता जगमोहन डांगी ने कहा कि गढ़कोट गांव का विकास सामूहिक भागीदारी और संगठित समाज की मिसाल है। कहा कि प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक विरासत के चलते गढ़कोट को हेरिटेज गांव का दर्जा दिया जा सकता है। इस अवसर पर ग्राम प्रधान घंडियाल अनीता देवी, पूर्व प्रधान प्रिया रावत, पूर्व प्रधान पुष्पा देवी, वरिष्ठ नागरिक पीतांबर सिंह रावत, गढ़कोट भ्रात मंडल अध्यक्ष रविंद्र सिंह रावत, बालम सिंह रावत, विनोद रावत, संजय रावत सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

प्राथमिकता के आधार पर पूरी होंगी मांगे

गढ़कोट गांव के प्रवासियों की सामाजिक संस्था गढ़कोट भ्रात मंडल पिछले दस वर्षों से गांव को संगठित कर आदर्श गांव बनाने की दिशा में कार्य कर रही है। संस्था ने गढ़वाल के ऐतिहासिक स्थल लकुंदर गढ़ी स्थित प्राचीन नागदेव मंदिर और गढ़कोट की ऊंची चोटी पर स्थित कुलदेवी मां भुवनेश्वरी मंदिर के जीर्णोद्धार में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इस बार भैरव बाबा मंदिर के सौंदर्यीकरण के लिए पूर्व जिला पंचायत सदस्य संजय डबराल और वर्तमान जिला पंचायत सदस्य सविता देवी के सहयोग से मंदिर परिसर में भव्य टीन शेड का निर्माण कराया गया। ब्लॉक प्रमुख गीता देवी ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि क्षेत्र की सभी आवश्यक मांगों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाएगा।

मुखानी के केवीएम स्कूल भवन में लगी भीषण आग

हल्द्वानी। हल्द्वानी के मुखानी स्थित केवीएम स्कूल में मंगलवार की शाम को आग लगने की बड़ी घटना सामने आई। स्कूल भवन में भीषण आग लगने से बिल्डिंग धू–धू कर जलने लगी।

केंद्र सरकार ने उत्तराखंड के लिए खोला खजाना, 2355 करोड़ स्वीकृत

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : केंद्र सरकार ने उत्तराखंड के लिए ह्लपूंजीगत निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता योजना के तहत कुल 2355 करोड़ रुपए स्वीकृत किये है ।वित्त मंत्रालय की ओर से जारी आदेश के अनुसार ह्लपूंजीगत निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता योजना के तहत कुल 71.94 करोड़ रुपए स्वीकृत किया गया है। जबकि इसी योजना में संचालित ह्लप्राइड ऑफ हिल्स (पर्वतीय राज्यों के लिए विशेष विकास सहायता योजना)ह्व के तहत उत्तराखंड के लिए कुल 2283.60 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं। इन दोनों स्वीकृति के बाद भारत सरकार, राज्य को वर्तमान वित्तीय वर्ष 2026–27 के दौरान इस योजना के तहत कुल अब तक 2355.54 करोड़ रुपए प्रदान कर चुकी है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इसके लिए केंद्र सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार उत्तराखंड के विकास में पूरा सहयोग कर रही है।

मुख्यमंत्री ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को दी श्रद्धांजलि

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री आवास में भारतीय जनसंघ के संस्थापक, प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक एवं महान शिक्षाविद् डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्य तिथि पर उनके चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर भावपूर्ण स्मरण किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का राष्ट्र की एकता, अखंडता और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के प्रति समर्पित जीवन हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने देशहित को सर्वोपरि रखते हुए राष्ट्रीय एकीकरण के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनका त्याग, संघर्ष और राष्ट्रसेवा का आदर्श भावी पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करता रहेगा। मुख्यमंत्री ने डॉ. मुखर्जी के राष्ट्र निर्माण में दिए गए अमूल्य योगदान को नमन करते हुए उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की।

ग्रामीणों ने मशाल जुलूस निकालकर किया प्रदर्शन

श्रीनगर गढ़वाल : धारपंयाकोटी-कुनियाड़-रतकाली मार्ग के निर्माण की मांग के लिए क्षेत्रवासियों ने जिला कांग्रेस कमेटी देवप्रयाग के जिलाध्यक्ष एवं जिला पंचायत सदस्य उत्तम सिंह असवाल के नेतृत्व में मशाल जुलूस निकालकर प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने सरकार और क्षेत्रीय विधायक पर सड़क निर्माण में लगातार देरी का आरोप लगाया। कहा गया कि वर्ष 2017-18 में तत्कालीन मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने गांव के लिए सड़क की घोषणा की थी, लेकिन आज तक तीन किलोमीटर सड़क भी नहीं बन पाई है।

उत्तम सिंह असवाल ने आरोप लगाया कि विधायक विनोद कंडारी लगातार सड़क निर्माण का आश्वासन दे रहे हैं, जबकि हर वर्ष केवल सर्वे ही कराए जा रहे हैं। हाल ही में विधायक की ओर से टेंडर होने की बात कही गई थी, लेकिन तीन बार सर्वे के बाद भी निर्माण शुरू नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि लोनिवि की ओर से तीन किमी. और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के तहत सात किमी. सड़क का सर्वे पूरा होने के बावजूद निर्माण कार्य शुरू नहीं किया गया है। सड़क न होने से बीमार लोगों को अस्पताल तक पहुंचाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। महिपाल सिंह पंवार और पुरुषोत्तम उनियाल ने चेतावनी दी यदि जल्द निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ तो आंदोलन किया जाएगा और विधायक का गांवों में विरोध किया जाएगा। प्रदर्शन करने वालों उम्मेद सिंह कंडारी, सते सिंह कंडारी, तोता सिंह कंडारी, धर्म सिंह कंडारी, अजय सिंह कंडारी और रामलाल नौटियाल आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

पीएचडी प्रवेश परीक्षा की 12 जुलाई को

गढ़वाल केंद्रीय विवि की पीएचडी प्रवेश परीक्षा की तैयारी भी जोरों पर हैं। इसके लिए 12 जुलाई की तिथि निर्धारित की गई है। प्रवेश परीक्षा समन्वयक डॉ. प्रीतम सिंह नेगी ने बताया कि छात्रों की मांग पर 22 और 23 जून को पीएचडी में आवेदन के लिए पोर्टल को पुनः खोला था। इन दो दिनों में 70 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं।

शराब परोसने पर ढाबा संचालक पकड़ा

देहरादून। सार्वजनिक स्थान पर अवैध रूप से शराब परोसना ढाबा मालिक को भारी पड़ गया। पुलिस ने ढाबे पर छापा मारकर अवैध रूप से ग्राहकों को शराब परोस रहे ढाबा संचालक को रंगेहाथ पकड़ लिया।

मुखबिर की सूचना पर एक ढाबे पर औचक छापे मारे गए। छापे के दौरान पुलिस ने एक युवक को अपने ढाबे में सार्वजनिक रूप से ग्राहकों को अवैध तरीके से शराब परोसते और पिलाते हुए पाया। पुलिस ने आरोपी को मौके से रंगेहाथ पकड़ा और देसी शराब के तीन पव्वे व एक बीयर की बोतल बरामद की। पुलिस अधिकारी के अनुसार सार्वजनिक स्थान पर अवैध रूप से शराब परोसना या पिलाना पूरी तरह गैर–कानूनी है। ऐसे कृत्य से क्षेत्र की शांति व्यवस्था भंग होती है। पुलिस का यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

कोसी नदी में नहाते समय डूबा रिसोर्ट कर्मी

रामनगर (नैनीताल)। कोसी नदी में नहाते समय एक रिसोर्ट कर्मी की डूबने से मौत हो गई। तीन घंटे की तलाश के बाद युवक का शव गहरे कुंड में बरामद हुआ। शव को पोस्टमार्टम के लिए रामनगर भिजवाया गया है। जिला अल्मोड़ा के ग्राम कनार रानीखेत निवासी अजय आर्या (22) पुत्र बची राम ढिकुली के रिसोर्ट में कार्यरत हैं।

मंगलवार को उसका अवकाश था, वह अपने एक साथी के साथ रिसोर्ट के पीछे कोसी नदी में नहा रहा था। नहाने के दौरान अजय नदी में गहरे कुंड में डूब गया।

इससे वहां नहा रहे लोगों में हड़कंप मच गया। कुछ लोगों ने उसे तलाशने का प्रयास किया, लेकिन वह नहीं मिला। सूचना पर पुलिस, अग्निशमन कर्मी भी

पहुंचे। इस बीच एसडीआरएफ की टीम भी नैनीताल से पहुंची।

टीम ने उसकी तलाश की। चार बजे उसका शव बरामद हुआ। युवक की मौत हो चुकी है। पुलिस ने शव को सरकारी अस्पताल भिजवा दिया। बता दें कि रामनगर में एक माह के भीतर कोसी नदी में तीन युवक व एक युवती की डूबने से मौत हो चुकी है।

मुख्य सचिव ने संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध कार्रवाई के दिए निर्देश

देहरादून ,मुख्य सचिव आनंद वर्धन की अध्यक्षता में सचिवालय सभागार में आगामी अगस्त में सवीच्च न्यायालय, नई दिल्ली में आयोजित होने वाली विशेष लोक अदालत (समाधान समारोह–2026) में राज्य की ओर से रखे जाने वाले लोक अदालत से संबंधित लंबित वादों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। उच्चतम न्यायालय की 21 से 23 अगस्त 2026 तक आयोजित होने वाली इस विशेष लोक अदालत में विभागवार लंबित मामलों की स्थिति तथा समन्वय व्यवस्था पर विस्तृत चर्चा की गई।

मुख्य सचिव ने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि चिन्हित मामलों का गंभीरता से परीक्षण करते हुए समझौते की संभावनाओं पर प्राथमिकता के आधार पर कार्य किया जाए, जिससे अधिकतम मामलों का निस्तारण संभव हो सके। बैठक में अवगत कराया गया कि उत्तराखण्ड राज्य से विभिन्न विभागों एवं विधिक श्रेणियों के कुल 199 मामलों को विशेष लोक अदालत के लिए चिन्हित किया गया है। इन मामलों में दीवानी एवं फौजदारी प्रकरण, बैंकिंग, सिविल, उपभोक्ता विवाद, पारिवारिक विवाद, श्रम एवं औद्योगिक कानून, भूमि अधिग्रहण, मुआवजा, संपत्ति कर, किराया नियंत्रण, बेदखली, सेवा संबंधी मामले तथा स्थानांतरण याचिकाएं शामिल हैं। मुख्य सचिव ने सभी विभागीय नोडल अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे संबंधित पक्षों से प्रभावी संवाद स्थापित कर मामलों के सौहार्दपूर्ण समाधान हेतु सक्रिय प्रयास करें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विभाग नियमित समीक्षा करते हुए प्रगति की जानकारी उपलब्ध कराए तथा राज्य स्तर और जिला स्तर पर समन्वय को और अधिक सुदृढ़ बनाया जाए।

उन्होंने यह भी कहा कि विशेष लोक अदालत न्याय व्यवस्था में वैकल्पिक विवाद निवारण प्रणाली को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जिससे नागरिकों को लंबी न्यायिक प्रक्रिया से राहत मिलेगी तथा समय और संसाधनों की बचत होगी।

अल नीनो और पश्चिमी विक्षोभ ने रोका रास्ता

उत्तराखंड में जुलाई के पहले हफ्ते तक पहुंचेगा मानसून

नैनीताल। मानसून प्रभावित होने के पीछे अल नीनो के साथ ही पश्चिमी विक्षोभों का मार्च अप्रैल तक सक्रिय रहना बड़ा कारण रहा है। जिस कारण मानसूनी वर्षा प्रभावित होने लगी है ।विशेष बात यह भी है कि जलवायु परिवर्तन के कारण मानसून की दिशा भी अब बदलने लगी है, जो पश्चिम भारत की ओर शिफ्ट होने लगा है।

आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) के वरिष्ठ पर्यावरण विज्ञानी डा. नरेंद्र सिंह ने बताया कि अल नीनो सक्रिय हो चला है और इससे अधिक तीव्र होने की संभावना बनी हुई है ।इसके अधिक तीव्रता का असर जुलाई–अगस्त में देखे जाने की उम्मीद है। अल नीनो सक्रिय होने से मानसून प्रभावित होता है, जिस कारण माना जा रहा कि इसकी वजह से मानसून पर ब्रेक लग गया है। यानी वर्षा तो कम होगी ही, इसके पहुंचने में विलंब भी हो रहा है।

अल नीनो प्रभाव मानसून पर कितना असर डालेगा, इसका पता आगे के कुछ महीनों बाद चलेगा लेकिन पश्चिमी विक्षोभों का दिसंबर और जनवरी में सुस्त रहना और मार्च व अप्रैल तक सक्रिय रहना मानसून को प्रभावित करने का एक बड़ा कारण हो सकता है।

बाइक सवार से स्मैक बरामद

रूड़की। पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक नशा तस्कर को बाइक समेत स्मैक तस्करी में गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से स्मैक बरामद बरामद की गई है। पुलिस टीम ने क्षेत्र में चेकिंग अभियान चलाया था। इसी दौरान बाइक से आ रहे संदिग्ध को पुलिस ने रुकने का इशारा किया। पुलिस को देखकर संदिग्ध ने भागने का प्रयास किया लेकिन पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उसे दबोच लिया। पुलिस ने बताया कि तलाशी लेने पर तौसीब निवासी कालेवाला कोतवाली भगवानपुर के पास से 6.10 ग्राम स्मैक बरामद हुई। पुलिस ने तस्करी में इस्तेमाल की जा रही बाइक को भी कब्जे में लेकर सीज कर दी। कोर्ट की पेशी के बाद आरोपी को जेल भेज दिया गया है।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969
PRGI NO. 35469/79

भारतीय क्रिकेट टीम आयरलैंड और इंग्लैंड के व्हाइट-बॉल टूर के लिए रवाना, सूर्यवंशी के डेब्यू पर रहेगी नजर

चेन्नई (एजेंसी)। श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली भारतीय टीम 26 जून से शुरू होने वाली व्हाइट-बॉल सीरीज के लिए चेन्नई इंटरनेशनल एयरपोर्ट से आयरलैंड और इंग्लैंड के लिए रवाना हो गई है। 'मेन इन ब्लू' को आयरलैंड के खिलाफ दो टी20आई और उसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ पांच टी20आई और तीन ODI खेलने हैं, जो 26 जून से शुरू होंगे।

इस साल की शुरुआत में टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद आयरलैंड में होने वाले टी20आई मैच भारत के लिए पहली सीरीज होगी। भारत 26 और 28 जून को डबलिन में दो टी20आई खेलेगा। टी20आई टीम की कमान श्रेयस के हाथों में होने से भारत के लिए सबसे छोटे फॉर्मेट में एक नए अध्याय की शुरुआत हो रही है, खासकर इसलिए क्योंकि 2028 में लॉस एंजिल्स ओलंपिक और ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में अगला मेन्स टी20 वर्ल्ड कप होने वाला है।

इस टूरिंग टीम की सबसे खास बात युवा बैटिंग सेंसेशन वैभव सूर्यवंशी हैं, जो 15 साल और 71 दिन की उम्र में भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के लिए चुने जाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने और उन्होंने सचिन तेंदुलकर का 36 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। इस सीजन में इंडियन प्रीमियर लीग में शानदार प्रदर्शन के बाद अनकैप्ड तेज गेंदबाज प्रिंस यादव को भी पहली बार सीनियर ञ्20 टीम में बुलाया गया है।

शुरुआत में सीनियर तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को टीम में चुना गया था, लेकिन बाद में उनकी जगह प्रसिद्ध कृष्णा को शामिल किया गया। मार्च में मेनिस्कस टियर सर्जरी के बाद रिहैब से गुजर रहे सीम-बॉलिंग ऑलराउंडर हर्षित राणा भी टीम में वापस आ गए हैं, साथ ही लेग-स्पिनर रवि बिश्नोई भी।

आयरलैंड टूर के बाद यही टीम दक्षिण-पश्चिम की ओर एक छोटा टूर करेगी और 1 से 11 जुलाई के बीच इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20आई सीरीज खेलेगी, जिसके बाद 14 से 19 जुलाई तक तीन वनडे खेले जाएंगे। वनडे टीम की कप्तानी शुभमन गिल करेंगे, जबकि श्रेयस उनके डिप्टी होंगे। तीन मैचों की वनडे सीरीज में स्टार बल्लेबाज विराट कोहली की वापसी होगी, जो IPL 2026 के दौरान लगी हैमस्ट्रिंग चोट के कारण अफगानिस्तान के खिलाफ हाल ही में हुई वनडे सीरीज में नहीं खेल पाए थे। हालांकि BCCI ने कहा है कि उनका खेलना फिटनेस क्लीयरेंस पर निर्भर करेगा।

चिरंत विश्वनाथ जापान के मोटेगी में रेस जीतने वाले पहले भारतीय बने

मुम्बई (एजेंसी)। भारत के युवा रेसर चिरंत विश्वनाथ ने जापान के मोटेगी रेसट्रैक में जीत के साथ ही एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। इसी के साथ ही वह इस ट्रैक पर जीत हासिल करने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। यह उपलब्धि उन्होंने एफआईएम एशिया रोड रेसिंग चैंपियनशिप के तीसरे दौर के दौरान टीवीएस एशिया वन-मेक चैंपियनशिप कैटेगरी में दर्ज की है।

चिरंत ने टीवीएस अपाचे आरआर 310 से रेस-1 में शानदार प्रदर्शन कर सफलता हासिल की है। आधिकारिक अभ्यास सत्र में सबसे तेज़ लैप्स दर्ज करने के बाद, उन्होंने क्वालिफाइंग में चौथा स्थान हासिल किया। रेस की शुरुआत में ही उन्होंने बढ़त हासिल कर थी। आठ लैप की इस रोमांचक रेस के पांचवें लैप में एक अन्य राइडर से हुई टक्कर के कारण वह पांचवें स्थान पर खिसक गए पर चिरंत ने हार नहीं मानते हुए तेजी से वापसी करते हुए अंतिम लैप में तीन प्रतिद्वंद्वियों को पीछे छोड़ कर अपनी पहली चैंपियनशिप जीती।

रेस-1 की इस आसाधारण जीत के बाद, चिरंत ने रेस-2 में भी अपनी गति बनाए रखी। वह अंतिम लैप तक वह दूसरे स्थान पर थे पर इस बार भी एक टक्कर के कारण वह चौथे स्थान पर खिसक गये। रेस-1 में मिली जीत और रेस-2 में चौथे स्थान पर रहने के कारण चिरंत को चैंपियनशिप स्टैंडिंग में चौथा स्थान हासिल करने में मदद मिली है।

विराट ने इंग्लैंड दौरे के लिए फिटनेस टेस्ट पास किया

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली फिटनेस टेस्ट में पास हो गये हैं। ऐसे में अब विराट का इंग्लैंड दौरे में एकदिवसीय सीरीज खेलने का रास्ता साफ हो गया है। विराट को टीम में शामिल किया गया था पर उनके खेलने का फैसला फिटनेस जांच पर आधारित था। प्राप्त जानकारी के अनुसार विराट को बेंगलुरु स्थित राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' (सीओई) में फिटनेस जांच में सफल करार दिया गया है। इससे अब विराट एकदिवसीय सीरीज खेल सकेंगे। अब उनका लक्ष्य इस सीरीज में बेहतर प्रदर्शन कर साल 2027 में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप के लिए अपनी दावेदारी पेश करना रहेगा।

वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2026) के फाइनल मुकाबले के दौरान ही चोटिल हो गए थे। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के लिए खेलते हुए उनकी हैमस्ट्रिंग खिंचाव आ गय था। जिससे वह काफी समय तक खेल से दूर रहे थे। इसी चोट के कारण वह हाल ही में घरेलू मैदान पर अफगानिस्तान के खिलाफ खेली गई एकदिवसीय सीरीज से भी बाहर थे। विराट के फिट होने से उनके प्रशंसकों को भी राहत मिली है। अब प्रशंसकों को लंबे इंतजार के बाद विराट को खेलते हुए देखने का अवसर मिलेगा। उन्होंने अंतिम बार चैम्पियंस ट्रॉफी में खेला था।

एकदिवसीय सीरीज के लिए भारतीय टीम

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, नीतीश कुमार रेड्डी, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, गुरनूर बरार।

हार्दिक पांड्या मुंबई इंडियंस छोड़ने की तैयारी में, इन दो टीमों से मिला ऑफर

नई दिल्ली (एजेंसी)। हार्दिक पांड्या मुंबई इंडियंस छोड़ने की तैयारी में हैं और पांच बार की IPL चैंपियन टीम को उनके संभावित ट्रेड के लिए कम से कम दो प्रस्ताव मिले हैं जिसमें एक शाहरुख खान की को-ओन्ड कोलकाता नाइट राइडर्स से और दूसरा राजस्थान रॉयल्स है।

इस मामले की जानकारी रखने वाले IPL के एक सूत्र ने नाम न बताने की शर्त पर PTI को बताया कि KKR के टॉप मैनेजमेंट और मुंबई इंडियंस के मालिकों के बीच खिलाड़ियों के अदला-बदली (स्वैप) को लेकर कई बार बातचीत हुई है। मुंबई इंडियंस में पांड्या की वापसी का सफर उतार-चढ़ाव भरा रहा है और उनकी कप्तानी में टीम सिर्फ एक बार प्ले-ऑफ में जगह बना पाई है।

सूत्र के मुताबिक, 'अजिंक्य रहाणे KKR के लिए हमेशा से एक कामचलाऊ व्यवस्था थे और इस सीजन के बाद उन्हें रिलीज किया जाना तय था। KKR के बड़े अधिकारियों ने पिछले सीजन के आखिर में MI के मालिकों से संपर्क किया था, लेकिन चूंकि रिलायंस की सालाना AGM (आम बैठक) होने वाली थी, इसलिए उस समय IPL ट्रेड उनकी सबसे बड़ी प्राथमिकता नहीं थी।'

सूत्र ने बताया, 'हालांकि, पता चला है कि KKR ने फिर से MI के बड़े अधिकारियों से संपर्क किया है और इस बारे में कुछ दौर की बातचीत भी हुई है।' यह तय है कि अगर पांड्या पूरी तरह से कैश डील या ट्रेड-ऑफ के जरिए KKR में जाते हैं तो उन्हें कप्तानी मिल सकती है क्योंकि इस समय रिंकू सिंह एक सही विकल्प नहीं लग रहे हैं। हालांकि जब पूछा गया कि क्या MI स्टार भारतीय ऑलराउंडर के लिए पूरी तरह से कैश डील चाहती है या ट्रेड-ऑफ, तो सूत्र ने इसकी पुष्टि नहीं की।

IPL ट्रांसफर नियम साफ तौर पर कहते हैं कि कोई खिलाड़ी ट्रेड के संबंध में किसी दूसरी फ्रेंचाइजी के साथ व्यक्तिगत रूप से कोई बातचीत नहीं कर सकता है। नियम के अनुसार बातचीत केवल फ्रेंचाइजी-टू-फ्रेंचाइजी ही हो सकती है, लेकिन यह भी कहा गया है कि खिलाड़ी की सहमति के बिना ट्रेड नहीं हो सकता। अगर खिलाड़ी सहमति नहीं देता है, तो उसे वापस ऑक्शन पूल में भेजना होगा।

MI को मिला दूसरा ऑफर यशस्वी जायसवाल और पांड्या के बीच ट्रेड-ऑफ का बताया जा रहा है, लेकिन यह पक्के तौर पर नहीं कहा जा सकता कि बातचीत किसी एडवांस स्टेज तक पहुंची है या नहीं। हालांकि रॉयल्स असम के स्टार रियान पराग को लंबे समय के कप्तान के तौर पर देख रहे हैं, इसलिए पांड्या के लिए लीडरशिप रोल पाना मुश्किल होगा। अगर पांड्या का ट्रांसफर होता है, तो राजस्थान रॉयल्स की तुलना मेंच्यक्र इस समय कहीं ज्यादा बेहतर विकल्प लग रहा है।

अल्जीरिया को 12 साल में पहली बार विश्व कप में मिली जीत, जोर्डन नॉकआउट की दौड़ से बाहर

सांता क्लारा । दूसरे हॉफ में पेनल्टी कॉर्नर पर दो गोल करके अल्जीरिया ने एक गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए जोर्डन को 2-1 से हराकर विश्व कप फुटबॉल के नॉकआउट चरण में पहुंचने की उम्मीदें पुख्ता कर लीं। दूसरे हाफ में स्थानापन्न खिलाड़ी नादिर बेनबुआली ने 69वें मिनट में हेडर लगाया जबकि अमीने गोरी ने 82वें मिनट में विजयी गोल दागा। विश्व कप में 2014 के बाद अल्जीरिया की यह पहली जीत है। जोर्डन के लिए पहले हाफ में निजार अल राशदान ने गोल दागा था। अल्जीरिया को पहले मैच में अर्जेंटीना ने 3-0 से हराया था लेकिन दूसरे मैच में ऑस्ट्रिया को हराकर उसने ग्रुप जे में दूसरा स्थान हासिल कर लिया। जोर्डन लगातार दूसरी हार के साथ नॉकआउट की दौड़ से बाहर हो गया है। उसे पहले मैच में आस्ट्रिया ने 3-1 से हराया था।

नितीश आयरलैंड दौरे से बाहर हुए, सूर्यांश को मिल सकता है अवसर

मुम्बई । भारतीय टीम को आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से पहले ही करारा झटका लगा है। युवा ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी मांसपेशिया में खिंचाव के कारण आयरलैंड दौरे से बाहर हो गये हैं। नितीश के बाएं पैर की जांघ की मांसपेशियों (क्वाड्रिसेप्स) में चोट आई है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अनुसार इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में भी उनका खेलना संदिग्ध है। नितीश ने अफगानिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में अच्छा प्रदर्शन किया था। अनुभवी ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या के बाहर होने से उम्मीद जतायी जा रही थी कि नितीश उनकी कमी पूरी कर देंगे पर अब वह भी बाहर हो गये हैं। जिससे भारतीय टीम की मुश्किलें बढ़ गयी हैं।

अब देखना है कि चयनसमिति किस खिलाड़ी को नितीश की जगह पर अवसर देती है। भारतीय टीम का आयरलैंड दौरान 26 जून से शुरू हो रहा है। इस सीरीज का पहला मुकाबला 26 जून को है, जबकि दूसरा मैच 28 जून को खेला जाएगा। आयरलैंड दौरे के बाद टीम इंडिया इंग्लैंड रवाना होगी, जहां उसे टी20 के साथ ही एकदिवसीय सीरीज भी खेलनी है। अटकलें हैं कि अब आक्रामक ऑलराउंडर सूर्यांश शेडगे को भारतीय टीम में शामिल किया जा सकता हैं हालांकि, बीसीसीआई ने अभी आधिकारिक घोषणा नहीं की है। सूर्यांश हाल में भारत ए टीम के साथ ही श्रीलंका दौरे पर भी गये थे। श्रीलंका ए के खिलाफ सुपर ओवर वाले मैच में सूर्यांश ने अच्छी बल्लेबाजी करते हुए 72 रन बनाए थे। वह इंडियन प्रीमियर लीग में अय्यर की कप्तानी वाली पंजाब किंग्स के लिए खेलते हैं। पिछले सत्र में शेडगे ने पंजाब की तरफ से 7 मैच में खेलते हुए 158 रन बनाए थे। गेंदबाजी का उन्हें अवसर नहीं मिला था। घरेलू क्रिकेट में सूर्यांश मुंबई इंडियंस की ओर से खेलते हैं।

मेसी, एम्बापे और हालैंड के बीच 'गोल्डन' बूट की टक्कर

फिलाडेल्फिया (एजेंसी)। लियोनेल मेसी, किलियन एम्बापे और एर्लिंग हालैंड तीनों ने दो-दो गोल किए जिससे वर्ल्ड कप गोल्डन बूट की दौड़ फुटबॉल के तीन सबसे बड़े सितारों के बीच मुकाबले में बदल गई। अपने 39वें जन्मदिन से दो दिन पहले, मेसी ने डलास स्टेडियम में ऑस्ट्रिया के खिलाफ अर्जेंटीना की 2-0 की जीत में दोनों गोल किए, जिससे उनके करियर के वर्ल्ड कप गोल की संख्या रिकॉर्ड 18 हो गई।

अर्जेंटीना के कप्तान अब दो मैचों में पांच गोल के साथ टूर्नामेंट में सबसे ज़्यादा गोल करने वालों की सूची में सबसे आगे हैं। कुछ घंटों बाद फिलाडेल्फिया में, एम्बापे ने भी ऐसा ही किया और दो गोल किए, जिससे फ्रांस ने इराक को 3-0 से हराया, जबकि हाफटाइम के दौरान लगभग दो घंटे तक तूफान के कारण खेल रुका रहा। अपना 100वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रहे फ्रांस के कप्तान ने तीन टूर्नामेंटों में कुल 16 वर्ल्ड कप गोल कर लिए हैं और पूर्व रिकॉर्ड-धारक मिरोस्लाव क्लोज की बराबरी कर ली है।

न्यूयॉर्क-न्यू जर्सी स्टेडियम में हालैंड ने दो गोल किए और नॉर्वे ने सेनेगल को 3-2 से हराकर राउंड ऑफ 32 में जगह पक्की की। अपने पहले वर्ल्ड कप में खेल रहे 25 वर्षीय खिलाड़ी के नाम अब दो मैचों में चार गोल हैं; वे गोल्डन बूट की दौड़ में एम्बापे के बराबर और मेसी से एक गोल पीछे हैं। हालांकि, इराक पर फ्रांस की जीत के बाद एम्बापे ने मेसी के साथ तुलना को ज़्यादा महत्व नहीं दिया। एम्बापे ने कहा, 'लियो हमेशा गोल करते हैं और हमेशा करते रहेंगे। इसलिए मैं यह नहीं देख रहा कि वह क्या कर रहे हैं। मैं बस अपनी टीम की मदद करने पर ध्यान दे रहा हूं।' फ्रांस के कोच डिडिएर डेसचैम्प्स ने कहा कि उनके कप्तान के पास रिकॉर्ड बुक में नया इतिहास रचने का पूरा मौका है। एम्बापे के पूर्व रिकॉर्ड-धारक मिरोस्लाव क्लोज के 16 वर्ल्ड कप गोल के रिकॉर्ड की बराबरी करने के बाद डेसचैम्प्स ने कहा, 'रिकॉर्ड तोड़े जाने के लिए ही होते हैं।' हालैंड इस दौड़ में एक असली दावेदार के तौर पर उभरे हैं। नॉर्वे ने आखिरी बार 1998 में वर्ल्ड कप में हिस्सा लिया था, जो हालैंड के जन्म से दो साल पहले की बात है, इसलिए यह इस स्ट्राइकर का पहला वर्ल्ड कप अभियान है। अभी और भी मैच खेले जाने बाकी हैं, इसलिए गोल्डन बूट की लड़ाई अभी भी खुली हुई है, जिसमें मेसी, एम्बापे और हालैंड तीनों ही दौड़ में शामिल हैं।

टीम इंडिया की जर्सी देखकर भावुक हुए वैभव

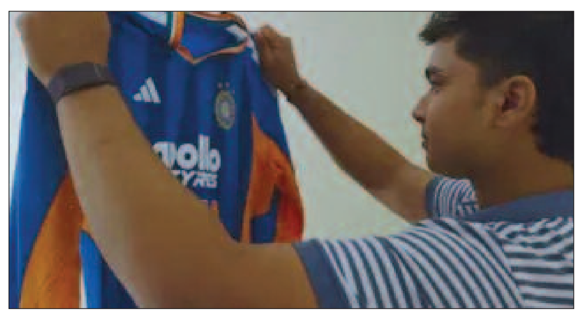

मुम्बई । 15 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी भारतीय टीम की जर्सी देखकर भावुक हो गये। वैभव को आयरलैंड दौरे के लिए भारतीय टी20 टीम में शामिल किया गया है। बीसीसीआई ने टीम के मंगलवार को आयरलैंड दौरे के लिए रवाना होने से पहले का एक वीडियो जारी किया है। इसमें वैभव को राष्ट्रीय टीम की जर्सी प्राप्त करते हुए देखा गया। इसे देखकर वह खुशी से उछल पड़े और उनके आंसू निकल गये। वैभव अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करते 3 नंबर की जर्सी पहनकर मैदान पर उतरेंगे। किट बॉक्स खोलते ही वैभव ने सबसे पहले अपनी जर्सी देखी। इस पल को बयां करते हुए उनकी आंखें भर आईं और उन्होंने कहा, 'मेरे पास इसके बारे में बताने के लिए शब्द नहीं हैं। जिस चीज के लिए मैंने बचपन से बल्ला थामा था, आज मेरा वो सपना पूरा हुआ। आज सब कुछ सच हो गया। टी-शर्ट देखते ही मैं इतना खुश हो गया कि मेरे लिए ये सपने का सच होने जैसा था। मैं उस समय प्रतिक्रिया भी नहीं दे पा रहा था।' यह दृश्य बताता है कि एक खिलाड़ी के लिए देश का प्रतिनिधित्व करने का क्या महत्व होता है, और कैसे यह पल कई वर्ष की कड़ी मेहनत और समर्पण का फल होता है। आयरलैंड के खिलाफ भारतीय टीम दो टी20 मैच खेलेगी। इसमें वैभव पहली बार भारतीय टीम की ओर से खेलते हुए दिखेंगे। यह उनके करियर का एक बड़ा पड़ाव है। बीसीसीआई ने वैभव की कम उम्र को देखते हुए उनके माता-पिता को भी इस दौरे पर उनके साथ जाने की अनुमति दी है। उनके पिता पहले ही आयरलैंड पहुंच गये हैं। भारत और आयरलैंड के बीच पहला टी20 मैच 26 जून को खेला जाएगा, जबकि दूसरा मुकाबला 28 जून को होगा। यह सीरीज युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी क्षमता साबित करने का सुनहरा अवसर प्रदान करेगी।

मिताली का सुझाव: हरमनप्रीत नंबर चार पर, जेमिमा नंबर पांच पर खेलें

मैनचेस्टर (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान मिताली राज ने टीम के बल्लेबाजी क्रम में बदलाव का सुझाव दिया है। मिताली का मानना है कि कप्तान हरमनप्रीत कौर को नंबर चार पर बल्लेबाजी करनी चाहिए, जबकि जेमिमा रोड्रिग्स को नंबर पांच पर उतारा जाना चाहिए। मिताली ने ये बात दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मिली हार को देखते हुए कही है। इससे सेमीफाइनल में पहुंचने की भारतीय टीम की उम्मीदों को झटका लगा है, क्योंकि अब उन्हें अपने शेष सभी मैच जीतने होंगे।

मिताली ने कहा कि अब भारतीय टीक को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए ऑस्ट्रेलिया को हराने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने कहा कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ यह मैच भारत के जीतने लायक था, लेकिन अब आगे का रास्ता मुश्किल है। बल्लेबाजी क्रम पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा, हमने हरमनप्रीत को नंबर 5 पर इतनी देर से बल्लेबाजी करते हुए बहुत कम देखा है। इसलिए, शायद वह नंबर चार पर और जेमिमा नंबर पांच पर आ सकती हैं।

उन्होंने जेमिमा को नंबर पांच पर भेजने को लेकर कहा, जेमिमा पहले भी नंबर पांच पर खेल चुकी हैं और वहां उन्होंने काफी रन बनाए हैं। जब वह बल्लेबाजी के लिए आएंगी, तो संभावना है कि उन्हें स्पिनरों का सामना करना पड़े, जो उनकी ताकत है। वह अपने पैरों का इस्तेमाल कर सकती हैं और स्कूप और स्वीप शॉट अच्छे से खेलती हैं। मिताली का मानना है कि इस बदलाव से जेमिमा का आत्मविश्वास बढ़ सकता है, वह लय में वापस आ सकती हैं और वह मोमेंटम दोबारा हासिल कर सकती हैं, खासकर अगर हरमनप्रीत उनसे पहले बल्लेबाजी करें।

मिताली ने बाएं हाथ की स्पिनर श्री चरानी की अनुशासित गेंदबाजी को इस मैच में भारत के लिए सबसे सकारात्मक पहलू बताया। चरानी ने एक ही ओवर में दो विकेट लेकर दक्षिण अफ्रीका को दबाव में ला दिय था। और बाद में एक और महत्वपूर्ण विकेट हासिल कर अपना शानदार स्पेल समाप्त किया। पूर्व कप्तान ने चरानी की तारीफ करते हुए कहा, श्री चरानी जल्दी सीखने वाली खिलाड़ी हैं। उन्होंने इंग्लिश कंडीशंस में डेब्यू किया था, इसलिए उन्हें वहां के हालात की अच्छी जानकारी है। उन्होंने बताया कि पिच से ज्यादा टर्न न मिलने के बावजूद, चरानी ने लगातार स्टंप्स पर अटैक किया, पेस और लेंथ में बदलाव किए, और अपनी पसंद के हिसाब से फील्ड सेट की। चरानी के दो बड़े विकेट ने भारत को खेल में वापस ला दिया था, और दूसरे स्पेल में भी उनकी लाइन बहुत सटीक थी।

सैमसन ने धोनी की तुलना फेडरर और विराट की अल्कारेज से की

मुम्बई । भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन पर आजकल विंबलडन टेनिस का रंग चढ़ा हुआ है। इसी को देखते हुए सैमसन ने भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की प्रशंसा करते हुए उनकी तुलना स्विटजरलैंड के महान टेनिस स्टार रोजर फेडरर से की है। सैमसन ने जहां धोनी की तुलना टेनिस के महान खिलाड़ी रोजर फेडरर से जबकि विराट कोहली के आक्रामक अंदाज की तुलना स्पेन के कार्लोस अल्कारेज से की है। सैमसन ने कहा, क्रिकेट के रोजर फेडरर धोनी ही हो सकते हैं। जिस प्रकार से फेडरर शांत अंदाज में खेलते हैं। उसी प्रकार से धोनी भी अपने काम को बहुत शांत और संयमित तरीके से करते हैं। वहीं दूसरी ओर अल्कारेज बहुत आक्रामक अंदाज में खेलते हैं। जिस प्राकर से विराट कोहली खेलते हैं। इसलिए संजू ने विराट की तुलना अल्कारेज से की है। सैमसन टी20 विश्वकप में भारतीय टीम की जीत के बाद से ही छाये हुए हैं। उन्होंने इसके बाद आईपीएल में भी बेहतरीन प्रदर्शन किया था। अब उनकी नजरें इंग्लैंड दौरे पर हैं। सैमसन ने टी20 महिला विश्वकप में भारतीय टीम के अच्छे प्रदर्शन की भी तारीफ की है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से महिला टीम ने एकदिवसीय विश्वकप जीता उसी प्रकार वह टी20 खिताब भी जीतेगी।

मेसी के शानदार प्रदर्शन से अर्जेंटीना ने ऑस्ट्रिया को 2-0 से हराकर नॉकआउट में जगह बनायी

डलास (एजेंसी)। कप्तान लियोनन मेसी के शानदार प्रदर्शन से मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना ने ऑस्ट्रिया को 2-0 से हराकर लगातार छठी बार विश्व कप फुटबॉल के नॉकआउट चरण में प्रवेश किया है। इस धमाकेदार जीत के दौरान ही मेसी ने विश्व कप इतिहास में सबसे अधिक गोल करने का नया रिकॉर्ड भी अपने नाम किया है।

मेसी ने हाफ-टाइम से ठीक पहले गोल करने के साथ ही ही अपना 17वां गोल कर जर्मनी के दिग्गज मिरोस्लाव क्लोस को पीछे छोड़ा। इसके साथ ही, वह जस्ट फोंटेन और जाइरजिन्हो के बाद लगातार 6 विश्व कप मैचों में गोल करने वाले दुनिया के तीसरे खिलाड़ी भी बन गए है।

दूसरे हाफ में ऑस्ट्रिया ने बराबरी के लिए काफी प्रयास किये पर अर्जेंटीना के डिफेंडरों ने उसे कोई अवसर नहीं दिया। मैच के अंतिम क्षणों में मेसी ने एक और गोल कर टूर्नामेंट का अपना 5वां और विश्व कप करियर का 18वां गोल दागा।

इस मैच में सिर्फ मेसी के साथ ही अर्जेंटीना की पूरी टीम का प्रदर्शन अच्छा रहा। ऑस्ट्रिया ने मेसी को घेरने की मजबूत रणनीति बनाई थी, लेकिन टीम ने एकजुट होकर इसका सामना किया। क्रिस्टियन रोमेरो ने घुटने की समस्या के कारण मैदान छोड़ने से पहले डिफेंस को मजबूती दी, जिसके बाद निकोलस ओटामेंडी ने कमान संभाली। रोड्रिगो डी पॉल, एलेक्सिस मैक एलिस्टर और एंज़ो फर्नांडीज ने मिडफील्ड को पूरी तरह नियंत्रित रखा, जिससे अर्जेंटीना की लय बनी रही। दो मैचों में दो जीत और 6 अंकों के साथ ही अर्जेंटीना का मनोबल बढ़ा हुआ है और टीम अब 27 जून को ग्रुप जे के अपने अंतिम मैच में जॉर्डन से मुकाबले के लिए उतरेगी।